शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 214 | गुवाहाटी | गुरुवार, 6 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विपक्ष ने डी मतदाता संकट को लेकर एनआरसी रिपोर्ट और ट्रांजिट कैंप बंद ... पेज 2

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के उत्थान पर हुआ मंथन, कई विभाग ... पेज 3

भारी-भरकम सुरक्षा काफिले में विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे केजरीवाल पेज 5

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कर्म सुख भले ही न ला सके, परंतु कर्म के बिना सुख नहीं मिलता।

– डिजरायली

हिंदी हर भारतीय के दिल की भाषा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि हिंदी न केवल देश की आधिकारिक भाषा है, बल्कि यह हर भारतीय के दिल की भाषा भी है। क्षेत्रीय भाषाओं पर यहां एक समारोह में बोलते हुए सीएम शर्मा ने हिंदी को एक मजबूत भाषा बनाने के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपील की है कि 2047 तक हमें हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं को इतना मजबूत करना है कि हमें विदेशी भाषाओं पर निर्भर न रहना पड़े। हमें उस दिशा में काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बुधवार को सोनापुर में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पूर्वी और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल के रूप में गुवाहाटी का चयन करने के लिए विभाग की सराहना की तथा असम में सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया। उन्होंने हिंदी के अनुकरणीय प्रयोग के लिए सम्मानित किए जा रहे कार्यालयों और संगठनों को बधाई दी तथा क्षेत्रीय भाषाओं को महत्व देते हुए हिंदी को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। ऐतिहासिक संदर्भ पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक शासन ने पूर्वोत्तर भारत में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी, जिससे हिंदी को अपनाने में देरी हुई। उन्होंने कहा कि समय के साथ लोगों ने हिंदी को रोजगार के अवसरों के प्रवेश द्वार के रूप में पहचाना। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी के सीमित ज्ञान के कारण उत्तर भारत में इस क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित हो गए। हालांकि, उन्होंने कहा कि बढ़ती स्वीकार्यता के साथ हिंदी की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ी है। मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि भारतीय संविधान निर्माताओं ने हिंदी को सरल और व्यावहारिक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया था। उन्होंने कहा कि सरकारी हिंदी को तकनीकी जटिलताओं से मुक्त होना चाहिए ताकि वह सभी के लिए सुलभ हो सके और जन-जन की भाषा बन सके। मुख्यमंत्री ने व्यापक स्वीकृति और विकास के लिए क्षेत्रीय भाषाओं के तत्वों को एकीकृत करके हिंदी को अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने की -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर के कई राज्यों के बजट

सीएम कॉनराड ने बजट पेश किया घाटा 3.5 प्रतिशत की सीमा से नीचे

शिलांग (हि.स.)। मुख्यमंत्री कॉनराड के. सांग्मा ने बुधवार को मेघालय विधानसभा में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,970 करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश किया, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का करीब 2.96 प्रतिशत है। ऋण को छोड़कर कुल प्राप्तियां 25,627 करोड़ रुपए हैं और ऋण चुकौती को छोड़कर अनुमानित कुल व्यय 27,597 करोड़ रुपए है। परिणामस्वरूप, उन्होंने 1,970 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा दिखाया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करते हुए वित्त विभाग का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा ने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि राजस्व घाटा 3.5 प्रतिशत की स्वीकार्य सीमा से नीचे रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बजट अनुमान को दो श्रेणियों में वर्गीकृत करते हुए कहा कि जलवायु क्षेत्र के लिए 5,421 करोड़ रुपए, युवा क्षेत्र के लिए 3,329 करोड़ रुपए और लिंग क्षेत्र के लिए 6,219 करोड़ रुपए। -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में कोई नया कर नहीं, पेश किया गया 15198 करोड़ का बजट

एजल। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15,198.76 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें किसानों एवं छोटे उद्यमियों के लिए संचालित *बाना कैह* योजना का वित्तीय आवंटन 75 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में अगले वित्त वर्ष का बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार लाभार्थियों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने के लिए अप्रैल से एक योजना लेकर आएगी। बजट में नया कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया है। यह बजट 15,198.76 करोड़ रुपए का है, जो पिछले वर्ष के 14,412.12 करोड़ रुपए से 5.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय का भी प्रभार रखने वाले लालदुहोमा ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 3,512.33 करोड़ रुपए के अनुदान की अनुपूरक मांगें भी पेश कीं। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम बाना कैह योजना के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर में एक घंटे में दो बार हिली धरती

इंफाल। मणिपुर में भूंकप के झटके महसूस किए गए हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) मणिपुर केंद्र के अनुसार, बुधवार को एक घंटे के भीतर मणिपुर में 5.7 और 4.1 तीव्रता के दो भूकंप आए। खबर लिखे जाने तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। आईएमडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों भूकंपों का केंद्र मणिपुर के कामजोंग में था। पहला भूकंप सुबह 11:06 -शेष पृष्ठ दो पर

दक्षिण अरुणाचल में अल्फा, एनएससीएन से जुड़े गोला बारूद जब्त किए

इटानगर। असम राइफल्स और अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर दक्षिण अरुणाचल के कनुबारी के पास लौनु गांव में गोला-बारूद का एक विशाल जखीरा सफलतापूर्वक जब्त किया। इस क्षेत्र में उग्रवादी समूहों अल्फा (आई) और एनएससीएन (के-वाईए) से जुड़ा गोला-बारूद छिपाया गया था। बरामद हथियारों में 7.62 मिमी एसएलआर के 29 राउंड, 7.62 -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस में हंगामा : भाजपा और विपक्ष में तीखी नोकझोंक

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा में बुधवार को उस समय भारी हंगामा हुआ, जब सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दलों के बीच तीखी बहस छिड़ गई। यह विवाद दो आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल को लेकर शुरू हुआ, जिसके चलते सदन को कुछ देर के लिए स्थगित करना पड़ा। प्रश्नकाल के दौरान, निलंबित कांग्रेस विधायक शेरमान अली अहमद ने बरपेटा के आलोपटी में उप-मंडलीय कृषि कार्यालय से जुड़े -शेष पृष्ठ दो पर

भारत जल्द बनेगा 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने सभी हितधारकों से रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास और नवोन्मेषण में निवेश करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ऐसा करना जरूरी है। बजट के बाद आयोजित एक वेबिनार में मोदी ने कहा कि सरकार ने 2014 से तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने कहा कि 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उन्नत करने और पांच उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का फैसला भी किया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि क्षमता निर्माण और प्रतिभा पोषण राष्ट्रीय विकास के लिए आधारशिला के रूप में कार्य करते हैं। विकास के अगले चरण में इन क्षेत्रों में अधिक निवेश जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोगों में निवेश की दृष्टि तीन स्तंभों - शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों को आगे आना चाहिए, क्योंकि वे भारतीय अर्थव्यवस्था की सफलता की कुंजी हैं। प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था एक दशक (2015-2025) में 66 प्रतिशत बढ़ी है। भारत वर्तमान में 3,800 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं, जब देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा। उन्होंने अर्थव्यवस्था का विस्तार जारी रखने के लिए सही दिशा में सही निवेश करने के महत्व पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने युवाओं को नए अवसर और व्यावहारिक कौशल देने के लिए *पीएम इंटर्नशिप* योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर स्तर पर व्यवसाय इस योजना में सक्रिय रूप से भाग लें। इस साल के बजट में, हमने 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीट की घोषणा की है। अगले पांच साल में चिकित्सा क्षेत्र में 75,000 और सीट जोड़ने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने पर्यटन क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा देने के सरकार के फैसले के बारे में भी बात की और कहा कि इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर -शेष पृष्ठ दो पर

फाइनल में भारत से टकराएगी न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में टूटा दाफ्रीका का सपना

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार को न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 50 रन से हराया। इसके साथ ही न्यूजीलैंड टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। 9 मार्च, रविवार को होने वाले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड का सामना भारतीय टीम से होगा। फाइनल मैच दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 362 रन बनाए। रचिन रवींद्र के अलावा केन विलियमसन ने शतक लगाया। वहीं डेरेल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स अर्धशतक नहीं लगा पाए। दोनों ने 49-49 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका टीम 312 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत औसत रही। विल यंग और रचिन रवींद्र के बीच 48 रनों की साझेदारी हुई। लुंगी एनगिडी ने विल यंग को पवेलियन भेजा। यंग ने 21 रन बनाए। -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा अध्यक्ष बदलने के बीच बंगलूरू में होगी आरएसएस की सर्वोच्च बैठक

नई दिल्ली। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जेपी नड्डा का कार्यकाल काफी समय पहले ही बीत चुका है और नए भाजपा अध्यक्ष के चुने जाने की प्रक्रिया चल रही है। चर्चा है कि बहुत जल्द भाजपा को एक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। इन्हीं चर्चाओं के बीच भाजपा के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय *अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा* की तीन दिवसीय बैठक (21-23 मार्च) को बंगलूरू में होना निश्चित किया गया है। इस बैठक में संघ -शेष पृष्ठ दो पर

राजीव गांधी दो बार फेल हुए फिर भी प्रधानमंत्री बने : मणिशंकर अय्यर

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर से बातचीत के एक वीडियो ने आज सियासी हलके में तूफान मचा दिया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कर दिया, जिसके बाद यह बवाल कुछ ज्यादा ही बढ़ गया। आज दिनभर भाजपा नेता जहां इसे ट्रोल करते दिखे वहीं कांग्रेस के नेता इसके बचाव में उतर आए। हालांकि यह वीडियो कब और कहां का है, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस वीडियो में मणिशंकर अय्यर सामने बैठे युवक से कह रहे हैं कि राजीव जब प्रधानमंत्री बने तो मैंने सोचा कि वो एयरलाइन पायलट है। दो बार फेल हो चुके थे। मैं उसके साथ कैम्ब्रिज में पढ़ा। -शेष पृष्ठ दो पर

प्रशांत किशोर का बड़ा दावा

भाजपा के साथ चुनाव लड़ने के बाद पाला बदल लेंगे नीतीश कुमार

पटना। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव है। भाजपा ने पहले ही एलान कर चुकी है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए चुनाव लड़ेगी। अब चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने बुधवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार में चुनाव तो भाजपा के साथ लड़ेंगे, लेकिन बाद में वह पाला बदल सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार इतने अलोकप्रिय हो चुके हैं कि वे लगातार पांचवीं बार मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे, चाहे वे किसी भी गठबंधन में शामिल क्यों न हों? पश्चिम चंपारण में एक -शेष पृष्ठ दो पर

पाक में तख्तापलट की तैयारी! शरीफ ब्रदर्स को सता रहा सत्ता खोने का डर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सत्ता का संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। देश की राजनीतिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि वहां तख्तापलट की तैयारी हो रही है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कमजोर होने के बाद सत्ताधारी गठबंधन को लगा था कि वे आसानी से अपनी सत्ता बनाकर राज करेंगे। लेकिन अब नवाज शरीफ और मरियम नवाज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और राजनीतिक हलचलों ने शरीफ ब्रदर्स को परेशान कर दिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में अपने राजनीतिक सहयोगियों को एकजुट रहने की हिदायत दी है। उनका कहना है कि अगर सरकार के भीतर दरार आई तो संकट और गहरा सकता है। कुछ दिन पहले पाकिस्तान की वित्त मंत्री औरंगजेब ने भी सैन्य तख्तापलट की संभावना को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट नहीं होगा तभी पाकिस्तान के आर्थिक हालात सुधर सकते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि कहीं न कहीं तख्तापलट की कुछ सुगबुगाहट तो है, वरना यू ही नहीं देश -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न स्थानों से पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इन उग्रवादियों को चुराचांदपुर, इंफाल ईस्ट और बिष्णुपुर जिलों से पकड़ा गया है। यह सभी प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े हैं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि चुराचांदपुर के बेतहेल इलाके से एक 19 वर्षीय युवक और तीन नाबालिगों को पकड़ा गया। ये सभी प्रतिबंधित यूनाइटेड कूकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के सदस्य हैं और स्थानीय व्यवसायों से जबरन वसूली, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी में संलिप्त थे। इनके पास से दो पिस्तौल बरामद हुईं। एक अन्य घटना में इंफाल ईस्ट के ओल्ड मॉडर्न कॉलेज गेट के पास पोरोम्पाट आयंगपल्ली रोड से प्रतिबंधित कांग्लेपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के सदस्य -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विपक्ष ने *डी* मतदाता संकट को लेकर एनआरसी रिपोर्ट और ट्रांजिट कैंप बंद करने की मांग की

गुवाहाटी। विपक्ष ने बुधवार, 5 मार्च को असम में *डी* (संदिग्ध) मतदाताओं की दुर्दशा पर चिंता जताई और राज्य के एकमात्र डिटेंशन सेंटर, जिसे अब ट्रांजिट कैंप कहा जाता है, को बंद करने और विधानसभा में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) रिपोर्ट पेश करने की मांग की। चर्चा के दौरान, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम ने दावा किया कि लाखों लोगों को बिना उचित सत्यापन या अधिकारियों के दौरे के *डी* मतदाता के रूप में लेबल किया गया था। उन्होंने ऐसे मामलों पर प्रकाश डाला जहां व्यक्तियों को संदिग्ध नागरिक घोषित किया गया जबकि उनके तत्काल परिवार के सदस्यों को भारतीय नागरिक के रूप में मान्यता दी गई। उन्होंने कहा कि इसने परिवारों को बर्बाद कर दिया है और हजारों युवाओं के सपने चकनाचूर कर दिए हैं। इस्लाम ने *डी* मतदाताओं और हिरासत में लिए गए लोगों की स्थिति का आकलन करने के लिए एक सर्वदलीय टीम के गठन की मांग की। उन्होंने विदेशी न्यायाधिकरणों (एफटी) की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि उत्तरदाताओं द्वारा नागरिकता के पर्याप्त सबूत पेश किए जाने के बावजूद उनके फैसले पक्षपातपूर्ण हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के विधायक मनोरंजन तालुकदार ने सदन को याद दिलाया कि सत्ता में आने से पहले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिटेंशन सेंटर को बंद करने का वादा किया था, लेकिन उसने अपनी प्रतिबद्धता पूरी नहीं की। उन्होंने सभी भारतीयों को तुरंत रिहा करने और विदेशियों को वापस भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इन केंद्रों पर लिए गए कई एकपक्षीय फैसलों पर सवाल उठाए हैं। सरकार को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई ने बताया कि *डी* मतदाता मुद्दे ने नेपाली, कोच-राजबोंगशी, हाजोंग, गारो और राभा सहित विभिन्न समुदायों को प्रभावित किया है, और सरकार से एनआरसी प्रक्रिया को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त, 2019 को प्रकाशित अंतिम एनआरसी सूची में 19,06,657 व्यक्तियों को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन अभी तक भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा इसे अधिसूचित नहीं किया गया है, जिससे दस्तावेज को आधिकारिक मान्यता नहीं मिली है। उन्होंने आग्रह किया कि यदि एनआरसी में त्रुटियां हैं, तो उन्हें सुधारें, लेकिन इसे अधर में न रहने दें। गोगोई ने हिरासत केंद्र से जुड़ी मानवाधिकार चिंताओं पर भी जोर दिया और कहा कि पिछली सरकारों की तुलना में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कार्यकाल में बहुत कम निर्वासन हुए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि विधानसभा एक प्रस्ताव पारित करे जिसमें केंद्र से निर्वासन की सुविधा के लिए बांग्लादेश के साथ प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया जाए। कांग्रेस विधायक नूरुल हुदा ने उन मामलों को उजागर किया, जिनमें भारतीय नागरिकों को सालों तक हिरासत में रखा गया है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि केंद्र के अंदर लोग मर रहे हैं, लेकिन उनके शव बांग्लादेश नहीं भेजे जा रहे हैं। उन्हें अंतिम संस्कार के लिए असम में उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया जाता है। अगर वे बांग्लादेशी थे, तो आप उन्हें उस देश में क्यों नहीं भेज देते? सोमवार को मुख्यमंत्री की ओर से लिखित जवाब में बताया गया कि चुनाव विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, असम में वर्तमान में 1,18,134 *डी* मतदाता हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 24 फरवरी तक 258 व्यक्ति ट्रांजिट कैंप में रह रहे हैं। भाजपा विधायक दीपायन चक्रवर्ती ने डिटेंशन सेंटर के अस्तित्व का बचाव किया, लेकिन हिंदू *डी* मतदाताओं को रिहा करने की मांग की।

गुवाहाटी में नृशंस हत्या

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी स्थित बरसापारा इलाके में एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मृतक की पहचान मुनु उर्फ मुन्ना दास के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, युवक को राजमार्ग पर मारकर फेंक दिया गया था। उसके शरीर के कई हिस्सों से खून बह रहा था। आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या पत्थरों से कुचलकर की गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और मामले की छानबीन जारी है। उधर पानबाजार पुलिस थाने की एक टीम ने आज लखटकिया स्थित डाइनेस्टी होटल के पास एक मोबाइल रिपेयरिंग दुकान *टाइम्स हाउस* में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान वहां से 21 मोबाइल फोन जब्त किए गए, जिनके चोरी के होने का संदेह है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असिस्टेंट कमिश्नर 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बजाली के असिस्टेंट कमिश्नर को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया है। बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार असम के सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को एक शिकायत मिली थी कि बजाली जिले के उपायुक्त कार्यालय में सहायक आयुक्त गौरव शेखर दास (एसीएस) ने एक व्यक्ति से मिट्टी कटाई के व्यवसाय के एनओसी के लिए एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता के अनुरोध पर, आरोपित अधिकारी ने यह राशि घटाकर 50, 000 रुपए कर दी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था।

अनुच्छेद 244, (ए) के कार्यान्वयन की मांग को लेकर डिफू में विरोध प्रदर्शन

डिफू (विभास)। एएसडीसी, एचपीसीएफ और अन्य छह संगठन एक मंच से भारत के संविधान के अनुच्छेद 244, (ए) के कार्यान्वयन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन पर बैठे। इन आठ संगठन के 1000 से अधिक कार्यकर्ता कार्बी आंग्लांग और डिमा हसाउ जिलों में स्वायत्त राज्यों के गठन के मांग करते हुए धरना पर बैठे। संगठन के नेताओं भारतीय संविधान के 244(ए) अनुच्छेद के शीघ्र कार्यान्वय के मांग को लेकर कार्बी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य को एक ज्ञापन सौंपा। संवादाताओं को संबोधित करते हुए ए पी एच एल सी के अध्यक्ष जेम्स हांसे ने अनुच्छेद 244(ए) के कार्यान्वयन में देरी के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराया

बिना चालान के पत्थर, रेत और मिट्टी की आपूर्ति करने वाले चार डंपर जब्त

ग्वालपारा (हिंस)। ग्वालपारा जिले के कृष्णाई में बिना चालान के पत्थर, रेत और मिट्टी की आपूर्ति करने वाले डंपरों के खिलाफ वन विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। कृष्णाई केंद्रीय क्षेत्रीय वन विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी की और चार डंपरों को जब्त किए जो बिना चालान के और अवैध रूप से पत्थर और सफेद मिट्टी ले जा रहे थे। वन अधिकारियों ने आज बताया है कि अवैध रूप से पत्थर ले जा रहे दो डंपर (डब्ल्यूडी-85-2129 और एएस-18एसी-7731) ग्वालपारा दिशा से दुनोई की ओर जा रहे थे, जिन्हें वन विभाग ने जब्त कर लिया।

चुनाव प्रणाली में दक्षता के लिए प्रौद्योगिकी की उपयोगिता के संकल्प के साथ सभी राज्यों के सीईओ का सम्मेलन खत्म

नई दिल्ली (हि.स.)। सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) का दो दिवसीय सम्मेलन आज यहां इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में संपन्न हुआ। सम्मेलन का परिणाम मौजूदा वैधानिक ढांचे और समय-समय पर जारी भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों के अनुसार पहचाने गए 28 हितधारकों में से प्रत्येक के लिए एनिमेटेड वीडियो, ऑडियो बुक, ई-बुक और एक एकीकृत डैशबोर्ड जैसी प्रमुख सामग्री उपलब्ध होगी। क्षमता निर्माण के लिए आधुनिक दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रत्येक हितधारक के लिए एनिमेटेड वीडियो का एक कैप्सूल तैयार किया जाएगा, जो उनसे संबंधित चुनावों के सभी पहलुओं को व्यापक रूप से कवर करेगा। ये एनिमेटेड वीडियो प्रत्येक हितधारक के लिए स्व-गति से निरंतर सीखने का आसान माध्यम होंगे। चुनाव प्रणाली में दक्षता लाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के दृष्टिकोण और दृढ़ विश्वास के अनुरूप यह निर्णय लिया गया कि विभिन्न हितधारकों की सुविधा के लिए एक अनुकूलित डैशबोर्ड के साथ एक एकीकृत आईटी आर्किटेक्चर तैयार किया जाएगा। एकल खिड़की प्लेटफ़ॉर्म भूमिका-आधारित पहुंच के साथ सूचना के सुझाव और परिणाम प्रवाह को सुव्यवस्थित करेगा। यह किसी भी मानवीय त्रुटि को कम करने के लिए अंतर्निहित क्रॉस सत्यापन के साथ पदाधिकारियों के बीच संचार को सुचारू बनाएगा। सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ प्रमुख सामग्री की समय पर उपलब्धता के लिए प्रत्येक सीईओ द्वारा प्रस्तुत कार्रवाई योग्य बिंदुओं की समीक्षा की। प्रत्येक सीईओ के लिए एक अलग हितधारक नियुक्त किया गया है। इन सत्रों ने अपने क्षेत्र के भीतर गलत सूचना और स्थानीय मुद्दों पर त्वरित प्रतिक्रिया के लिए सीईओ और डीईओ स्तर पर संचार को मजबूत करने के लिए एक नई ऊर्जा का संकेत दिया। सीईओ ने तेजी से विकसित हो रहे मीडिया परिदृश्य में मतदाताओं के साथ निरंतर जुड़ाव के लिए सोशल मीडिया पर पहुंच बढ़ाने की

पृष्ठ एक का शेष

हिंदी हर भारतीय ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा ने गृह राज्य मंत्री के साथ मिलकर पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के प्रतिष्ठित सरकारी कार्यालयों और संगठनों को प्रतिष्ठित राजभाषा पुरस्कार प्रदान किए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सीएम कॉनराड ने ...

उन्होंने कहा कि इन श्रेणियों में पिछले बजट आवंटन की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सांग्मा ने सदन को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र से मेघालय को कुल अनुमानित हस्तांतरण बढ़कर 20,568 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जो चालू वर्ष के लिए संशोधित अनुमान 19,242 करोड़ रुपए से अधिक है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि मुख्य रूप से भारत के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन से प्रेरित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय कर का हिस्सा 2025-26 में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 10,910 करोड़ रुपए होने की संभावना है, जो इस वर्ष 9,870 करोड़ रुपए है। वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा, राज्य सरकार कर और गैर-कर राजस्व में सुधार के लिए प्रयास कर रही है। राज्य का अपना कर राजस्व उल्लेखनीय रूप से बढ़कर चालू वर्ष में 4,041 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। सांग्मा ने कहा कि मेरा अनुमान है कि राज्य का अपना कर राजस्व 2025-26 में 4,226 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। इसमें जीएसटी के रूप में 2,094 करोड़ रुपए, बिक्री एवं व्यापार कर के रूप में 1,180 करोड़ रुपए तथा उत्पाद शुल्क के रूप में 682 करोड़ रुपए शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार 2028 तक मेघालय को 10 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 से 2026 की अवधि के लिए वार्षिक विकास दर 12.7 प्रतिशत है और राज्य को 2028 तक अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का भरोसा है। कॉनराड सांग्मा ने कहा कि राज्य के बजट में पहले ही स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 2,176 करोड़ रुपए, कृषि क्षेत्र के लिए 450 करोड़ रुपए, शिक्षा क्षेत्र के लिए 3,654 करोड़ रुपए तथा बिजली क्षेत्र के लिए 1,088 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सांग्मा ने घोषणा की कि इस बजट ने बढ़ते पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित किया है और 2025-26 तक 2,000 नए होम-स्टे उद्यमियों को लाभान्वित करने के लिए राज्य सरकार की सब्सिडी 35 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत की जाएगी। मुख्यमंत्री ने 2025-26 के बजट में एक महत्वपूर्ण शिक्षा सहायता पैकेज की भी घोषणा की है, जिसमें उन्होंने राज्य भर के उच्चतर माध्यमिक छात्रों को पर्याप्त वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना नामक नव घोषित छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्रों को प्रतिवर्ष अतिरिक्त 6,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे, जो मौजूदा केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति के अतिरिक्त होंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों पर वित्तीय बोझ को कम करना तथा शैक्षिक सशक्तिकरण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है। मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा, जो वित्त विभाग के भी प्रभारी हैं, ने कहा कि इस पूरक वित्तीय सहायता को शुरू करके मेघालय अधिक छात्रों को मैट्रिक स्तर से आगे अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास करेगा, जिससे राज्य में उच्च शिक्षा में नामांकन दर में वृद्धि होगी।

मिजोरम में कोई ...

बजट में 350 करोड़ रुपए आवंटित किए जा रहे हैं, जो चालू वित्त वर्ष में निर्धारित 200 करोड़ रुपए से 75 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल सितंबर में शुरू की गई बाना कैह योजना का उद्देश्य उद्यमियों और किसानों की आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए तैयार कार्यक्रमों के जरिए वित्तीय सहायता और समर्थन देना है। इस योजना में राज्य सरकार ने प्रमुख फसलों- अदरक, हल्दी, मिजो मिर्च और झाड़ू के लिए समर्थन मूल्य पेश किए। लालदुहोमा ने कहा कि उनकी सरकार अगले वित्त वर्ष में किसानों से चार कृषि फसलों की खरीद जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अप्रैल से एक योजना शुरू करेगी जिसमें लाभार्थियों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा। लालदुहोमा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व प्राप्ति और पूंजीगत प्राप्ति के तहत अनुमानित कुल राशि 15,198.76 करोड़ रुपए है। इसके साथ राजस्व व्यय 12,540.20 रुपए रहने का अनुमान है। मुख्यमंत्री ने मिजोरम की विकास यात्रा को *विकसित भारत* पहल के साथ जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि पेंशन लाभ समय पर वितरित किए जाएं, बिजली खरीद के बकाए का निपटान किया जाए, और मिजोरम स्वास्थ्य योजना के तहत स्वास्थ्य बिलों का 80 प्रतिशत निपटान किया जाए।

असम विस में हंगामा...

मुद्दे पर सवाल उठाया। अपनी टिप्पणी में उन्होंने अधिकारियों के *भ्रमित करने वाले जवाबों* की तुलना एक विशेष शब्द से की, जिसे भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी के विरोध के बाद अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने सदन की कार्यवाही से हटा दिया। प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद, कुर्मी ने इस मुद्दे को फिर से उठाया और अहमद की टिप्पणी को उनकी सामुदायिक पहचान से जोड़ते हुए सवाल किया। इस दौरान उन्होंने बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए एक आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया, जिससे विपक्षी सदस्यों में आक्रोश फैल गया। कांग्रेस, एआईयूडीएफ, माकपा और राइजर दल के विधायकों ने इस टिप्पणी पर माफी की मांग की, जिसके बाद अध्यक्ष दैमारी ने इसे कार्यवाही से हटा दिया। हालांकि, सदन में तनाव बना रहा और 15 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सत्र दोबारा शुरू होने पर अहमद ने फिर माफी की मांग की और इस शब्द को नस्लभेदी करार दिया। विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए सवाल उठाया कि विधानसभा में इस तरह की भाषा को कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है। लगातार विरोध को देखते हुए उपाध्यक्ष नुमल मोमिन ने हस्तक्षेप किया और दोनों विवादास्पद शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया, जिसके बाद सदन में शांति बहाल हुई।

भारत जल्द बनेगा ...

पैदा होंगे। उन्होंने उद्योग जगत से स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश करने का आग्रह किया और रोजगार सृजन के लिए चिकित्सा पर्यटन की संभावनाओं पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत तक योगदान करने और करोड़ों युवाओं के लिए रोजगार देने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में 50 गंतव्यों का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन गंतव्यों में होटलों को बुनियादी ढांचे का दर्जा देने से पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए योजनाबद्ध शहरीकरण जरूरी है। हमने शहरी चुनौती कोष के लिए एक लाख करोड़ रुपए आवंटित करने का फैसला किया है। निजी क्षेत्र, खासकर रियल एस्टेट उद्योग को योजनाबद्ध शहरीकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

फाइनल में भारत ...

इसके बाद रचिन रवींद्र और केन विलियमसन के बीच दूसरे विकेट के लिए 164 रनों की साझेदारी हुई। कगिसो रबाडा ने रचिन को क्लासेन के हाथें कैच आउट कराया। उन्होंने 13 चौकों और 1 छक्के की बदौलत 108 रन की पारी खेली। 251 के स्कोर पर कीवी टीम को तीसरा झटका लगा। केन विलियमसन 94 गेंदों पर 102 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। टॉस लाथम 4 रन ही बना पाए। डेरिल मिचेल ने 49 और माइकल ब्रेसवेल ने 16 रन बनाए। डेरेल मिचेल 49 और मिचेल सेंटनर 2 रन बनाकर नाबाद रहे। लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट झटके। जवाब में साउथ अफ्रीका को 20 के स्कोर पर पहला झटका लगा। रयान रिकेल्टन ने 17 रन बनाए। कप्तान टेम्बा बावुमा और रासी वान डेर डुसेन के बीच 105 रन की पार्टनरशिप हुई। बावुमा 56 रन बनाकर कैच आउट हुए। मिचेल सेंटनर ने रासी को बोल्ड किया। उन्होंने 66 गेंदों का सामना किया और 69 रन जड़ दिए। हेनरिक क्लासेन फेल रहे और 3 रन ही बा सके। एडेन मार्कराम के बल्ले से 31 रन निकले। वियान मुल्डर ने 8, मार्को यानसेन ने 3, केशव महाराज ने 1 रन बनाया।

भाजपा अध्यक्ष बदलने ...

के सर्वोच्च पदाधिकारी मोहन भागवत, दत्तात्रेय होसबोले और सभी सहयोगी संस्थाओं के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री सहित 1480 कार्यकर्ता शामिल होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा है कि संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की इस वर्ष की बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में संघ के पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा की जाती है। और अगले वर्ष के लिए नए लक्ष्य तय किए जाते हैं। संघ की कार्य पद्धति में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा निर्णय करने वाली सर्वोच्च इकाई है। इस बैठक का आयोजन प्रतिवर्ष होता है। दरअसल, इस साल आने वाली विजयादशमी (दशहरा) 2025 को संघ के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। आरएसएस इस विजयादशमी से लेकर अगले वर्ष की विजयादशमी को अपने शताब्दी वर्ष के तौर पर देखेगा और इस बीच संघ के कार्यों को विस्तार देने के लिए इस बैठक में योजना बनाई जाएगी। आरएसएस का लक्ष्य है कि वह जल्द से जल्द देश के हर ब्लॉक स्तर तक पहुंचे। इस लक्ष्य को लेकर भी इस बैठक में निर्णय किए जा सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस समय पंच परिवर्तन के माध्यम से देश में एक बड़े बदलाव की शुरुआत कर चुका है। इसके अंतर्गत लोगों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, नागरिक कर्तव्यों का बोध बढ़ाने, सामाजिक समरसता बनाए रखने और प्लास्टिक का उपयोग न करने को लेकर लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। भाजपा कुटुंब प्रबोधन के जरिए सनातनी परिवारों को अपने मूल संस्कारों को अपने जीवन में अपनाने की बात भी कही जा रही है। बैठक में इन पंच परिवर्तन के प्रयासों पर विशेष चर्चा की अपेक्षा है।

राजीव गांधी दो बार...

वहां वे फेल हो चुके। कैम्ब्रिज में फेल होना बहुत मुश्किल है। वहां फर्स्ट क्लास में पास होना आसान है। क्योंकि कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी अपनी छवि बरकरार रखने के लिए कोशिश करती है कि सभी कम से कम पास हो जाएं। इसके बावजूद राजीव फेल हो गए। फिर वो लंदन के इम्पीरियल कालेज गए लेकिन वहां भी वो दोबारा फेल हो गए। इसके मद्देनजर मैंने सोचा कि इस तरह के आदमी को क्या प्रधानमंत्री बनना है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर वीडियो साक्षात्कार की क्लिप शेयर की और लिखा कि राजीव गांधी को अकादमिक रूप से संघर्ष करना पड़ा, यहां तक कि कैम्ब्रिज में भी फेल हो गए, जहां पास होना अपेक्षाकृत आसान है। इसके बाद वे इंपीरियल कॉलेज लंदन चले गए, लेकिन वहां भी फेल हो गए... कई लोगों ने सवाल उठाया कि उनके अकादमिक रिकॉर्ड वाला कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है। पर्दा हटा दिया जाए। गौरतलब है कि मणिशंकर अय्यर ने राजीव गांधी के बारे में *दि राजीव आई न्यू* नामक पुस्तक भी लिखी है। इसलिए उनके द्वारा की गई इस टिप्पणी (वीडियो) को लेकर सियासी गलियारे में चर्चा कुछ ज्यादा ही जोर पकड़ गई। हालांकि, अमित मालवीय द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो में मणिशंकर की ओर से की गई टिप्पणियों को कांग्रेस ने अप्रासंगिक बताते हुए खारिज कर दिया और पूर्व प्रधानमंत्री का भारत के शीर्ष नेताओं में से एक के रूप में बचाव किया। कांग्रेस नेताओं ने अय्यर को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी में कोई प्रासंगिकता नहीं है। वह किसी महत्वपूर्ण पद पर नहीं हैं। इसलिए उनके बयान पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि इस वीडियो में कितना सही है और कितना गलत, यह तो मणिशंकर ही बता सकते हैं, लेकिन सवाल यह नहीं है कि राजीव गांधी पास हुए या फेल। अगर राजीव का विश्लेषण करना है तो आपको उनके काम का विश्लेषण करना होगा...भाजपा वाले तो पीएम की डिग्री दिखाने को भी तैयार नहीं हैं। पीएम खुद कहते हैं कि वह चाय बेचते थे, लेकिन हम उन्हें उनकी पढ़ाई की वजह से नहीं देखते। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री कभी कैम्ब्रिज नहीं गए लेकिन वह एक काबिल प्रधानमंत्री थे। इसलिए राजीव गांधी एक काबिल प्रधानमंत्री थे। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है। कांग्रेस सांसद कुंवर दानिश अली ने कहा कि राजीव गांधी को देश में आईटी क्रांति और आधुनिकीकरण लाने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था की भी शुरुआत की थी। तारिक अनवर ने कहा कि असफल होना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन राजीव गांधी राजनीति में असफल नहीं हुए। जब उन्हें राजनीतिक जिम्मेदारी दी गई और वे प्रधानमंत्री बने, तो मेरा मानना है कि हमारे देश में बहुत कम प्रधानमंत्री हुए हैं, जिन्होंने सिर्फ पांच साल में इतनी उपलब्धियां हासिल की हैं। हरीश रावत ने कहा कि मैं ऐसे व्यक्ति (अय्यर) पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, जो कुंठित व्यक्ति है...मैं राजीव गांधी को जानता था, जिन्होंने देश को आधुनिक नजरिया दिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी (कांग्रेस) का एक वर्ग उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, वरना देश का इतिहास कुछ और होता।

भाजपा के साथ चुनाव...

संवाददाता सम्मेलन में जन सुराज पार्टी के संस्थापक किशोर ने कहा कि नवंबर में चुनाव समाप्त होने के बाद सिवाय नीतीश कुमार के कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। आप इसे लिखित में ले सकते हैं। अगर मैं गलत साबित हुआ, तो मैं अपना राजनीतिक अभियान छोड़ दूंगा। प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार के भाजपा के साथ संबंध को लेकर कहा कि वे भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने हमेशा ऐसा किया है, 2015 को छोड़कर, जब मैंने उनके अभियान की रणनीति बनाई थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा इस बार नीतीश को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने से बच रही है क्योंकि उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। प्रशांत किशोर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह अगर वे घोषणा कर दें कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार पूरे पांच साल के लिए मुख्यमंत्री होंगे, तो भाजपा को सीटें जीतना मुश्किल हो जाएगा। बता दें कि प्रशांत किशोर कभी जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे, लेकिन 2020 में पार्टी से निष्कासित कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि जदयू इस बार के चुनावों में बहुत खराब प्रदर्शन करने जा रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जब यह समझ जाएंगे कि भाजपा उन्हें समर्थन नहीं देने वाली, तो वे फिर से पाला बदल सकते हैं, लेकिन जदयू की सीटें इतनी कम होंगी कि उन्हें मुख्यमंत्री पद नहीं मिलेगा, चाहे वे किसी भी गठबंधन में जाएं। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार शारीरिक रूप से थक चुके हैं और मानसिक रूप से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। यहां तक कि भाजपा के दिवंगत नेता सुशील मोदी ने भी कहा था कि वे एक गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के मंत्रियों के नाम तक बिना कागज देखे नहीं बता सकते। किशोर ने यह भी कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल नई सरकार की शपथ ली, तो नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से उनके पैर छूकर बिहार को *बदनाम* किया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर उन्हें मोदी जी के प्रति इतनी श्रद्धा थी, तो वे निजी तौर पर उनके पैर छू सकते थे, लेकिन वे सत्ता में बने रहने के लिए चाटुकारिता कर रहे हैं। उन्होंने बिहार की खराब स्थिति के लिए केवल जदयू और राजद को ही नहीं, बल्कि भाजपा और कांग्रेस को भी जिम्मेदार ठहराया। किशोर ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए बिहार की शराबबंदी नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को शराबबंदी इतनी पसंद है, तो वे उत्तर प्रदेश और अन्य भाजपा-शासित राज्यों में इसे लागू क्यों नहीं करते? वहां वे विकास और निवेश की बात करते हैं, और बिहार में मुफ्त राशन और शराबबंदी से आगे कुछ नहीं सोचते। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि उनकी जन सुराज पार्टी बिहार को इस *राजनीतिक दलदल* से बाहर निकालने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो दशकों से नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के बीच सत्ता संघर्ष में फंसा हुआ है।

पाक में तख्तापलट ...

की वित्त मंत्री ये बात कहते। फिलहाल इस बयान ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। दूसरी ओर, नवाज शरीफ और मरियम नवाज के खिलाफ लाहौर में फंड के दुरुपयोग के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट ने इस मामले में उन्हें नोटिस जारी किया है। इससे सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। नवाज शरीफ पाकिस्तान की सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे थे, अब कानूनी पचड़ों में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल इमरान की सरकार में इमरान पर पहले मुकदमें चलाए जा रहे थे। उसके बाद इमरान को पाकिस्तान की सत्ता से दूर कर उन्हें जेल में डाल दिया गया था। उधर, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। इमरान खान ने जेल से अपने सहयोगियों को निर्देश दिया है कि वे जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेआईयू-एफ) के प्रमुख फजलुर रहमान से संपर्क करें और उन्हें गठबंधन में शामिल होने के लिए राजी करें। पीटीआई के महासचिव सलमान अकबर राजा ने इस बात की पुष्टि की है कि फजलुर रहमान को इमरान खान का संदेश दिया जाएगा। इमरान खान की कानूनी टीम में भी बदलाव किए गए हैं। उनके वकील चौधरी जहीर अब्बास को कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है, जबकि बुशरा बीबी के लिए चार नए फोकल पर्सन तैनात किए गए हैं। इमरान खान की बहन अलीमा खान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि खान की सेहत को लेकर जो अफवाहें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह गलत हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन इमरान खान को उनके बच्चों से बात करने नहीं दे रहा और उनके निजी डॉक्टर से मिलने की अनुमति भी नहीं दी गई।

मणिपुर में पांच उग्रवादी ...

युमनम सुरेश मैतेई (28) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से 10 हैंड ग्रेनेड, 10 ट्यूब लॉन्चिंग उपकरण, गोला-बारूद का बॉक्स, एक दोपहिया वाहन, तीन मोबाइल फोन और एक पर्स बरामद किया। चुराचांदपुर जिले के थिंगकांगफाई क्षेत्र में पुलिस ने एक अन्य थांगसुआनमुआन को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 132 साबुन के डिब्बों में हेरोइन, एक मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया। बिष्णुपुर जिले में हुई एक अन्य कार्रवाई में पूर्व प्रीपाक कैडर हुइड्रोम रोमें सिंह (44) और हुइड्रोम नरेश सिंह (32) को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से एक पिस्तौल, एक खाली मैगजीन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन सभी मामलों में विस्तृत जांच जारी है और नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मणिपुर में एक ...

बजे के आसपास आया, दूसरे की सूचना दोपहर 12:20 बजे के आसपास मिली। क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज भूकंप के झटके असम, मेघालय और क्षेत्र के अन्य हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप के दोहरे झटके की वजह से मणिपुर में इमारतों और अन्य संरचनाओं में मामूली क्षति की रिपोर्टें आ रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर में कई इमारतों में दरारें आई हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए कई वीडियो में थौबल जिले के वांगजिंग लमदिंग में एक स्कूल की इमारत में दरारें दिखाई गईं, जहां जातीय संघर्ष से प्रभावित लोगों के लिए एक राहत शिविर चलाया जा रहा था।

दक्षिण अरुणाचल में ...

मिमी एके-47 के 200 राउंड और 5.56 मिमी एम-16 के 245 राउंड शामिल हैं। यह अभियान क्षेत्र में विद्रोही गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों ने हथियार छिपाने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी है। यह सफल बरामदगी अरुणाचल प्रदेश के संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों को उजागर करती है।

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के उत्थान पर हुआ मंथन, कई विभाग व संस्थाएं सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, सरकारी कामकाज में इसकी बढ़ती उपयोगिता और तकनीकी नवाचारों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई विभागों व बैंका को *राजभाषा पुरस्कार* से सम्मानित किया गया। बुधवार को नगर के मेफेयर स्प्रिंग वैली रिसॉर्ट में संपन्न सम्मेलन व पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने की, जबकि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने हिंदी भाषा के तकनीकी विकास और भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिंदी सहित भारतीय भाषाओं को वैश्विक मंच पर पहचान मिली है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने हिंदी को सिर्फ राजभाषा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का सूत्र बताया। उन्होंने कहा कि सरकार राजभाषा हिंदी को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हिंदी भाषा के उत्थान के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा की, जिसमें वर्ष 2018 में *कंठस्थ* अनुवाद टूल का लोकार्पण, 2020 में नई शिक्षा नीति में मातृभाषा को विशेष महत्व, 2022 में *अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन* की शुरुआत, *राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना* का विस्तार शामिल है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने हिंदी को भारत की आत्मा और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि असम और पूर्वोत्तर में हिंदी संपर्क भाषा के रूप में उभर रही है और क्षेत्र के उद्योगों, शिक्षण संस्थानों तथा चाय बागानों में इसका व्यापक उपयोग हो रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राजभाषा विभाग की पत्रिका *राजभाषा भारती* के विशेषांक और बहुभाषी अनुवाद सॉफ्टवेयर *कंठस्थ 3.0* के अल्फा संस्करण का विमोचन किया। उन्होंने इसे सरकारी कामकाज में हिंदी को और प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 14 सितंबर, 1949 को जब हिंदी को राजभाषा का दर्जा मिला था, तब इसका उद्देश्य सिर्फ सरकारी कामकाज तक सीमित नहीं था, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक अस्मिता को एकसूत्र में पिरोने का प्रयास था। उन्होंने सभी को हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। गुवाहाटी में संपन्न यह ऐतिहासिक सम्मेलन हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा। हिंदी उत्थान के लिए कई विभाग व बैंकें सम्मानित पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए 48 सरकारी कार्यालयों, बैंकों और उपक्रमों को *राजभाषा पुरस्कार* से सम्मानित किया गया। इसके अलावा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को प्रभावी कार्यों के लिए *नराकास राजभाषा सम्मान* दिया गया। पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में सांसद बिजुली कलिता मेधी, सांसद दिलीप सैकिया समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। समापन अवसर पर पूर्वोत्तर भारत के लोक संगीत और नृत्य की शानदार सांस्कृतिक की प्रस्तुतियां दी गईं। संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन दिया और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सभी से मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में *पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत में भाषायी सौहार्द* विषय पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गौहाटी विश्वविद्यालय के प्रो. दिलीप मेधी ने कहा कि भारत की विविधता में हिंदी एकता का माध्यम है। पांडिचेरी विश्वविद्यालय की प्रो. एस पद्मप्रिय ने हिंदी को भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं एक-दूसरे की पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। सिक्किम के वरिष्ठ साहित्यकार वीरभद्र कार्कीढोली ने सुझाव दिया कि ऐसे सम्मेलन सिक्किम में भी आयोजित किए जाएं। गुवाहाटी में आयोजित यह सम्मेलन हिंदी भाषा के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित हुआ।

महिला दिवस समारोह का होगा आयोजन, आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए आगामी 8 मार्च को भाजपा के राज्य महिला मोर्चा की ओर से महिला दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। राज्य महिला मोर्चा की अध्यक्ष स्वप्ना बनिया ने एक जारी बयान में बताया कि इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से महिला दिवस को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर मनाया जाएगा। साथ ही, केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से न केवल स्वयं सशक्त बनने, बल्कि अन्य महिलाओं को भी रोजगार प्रदान करने वाली उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। गुवाहाटी के कर भवन में आयोजित इस दिनभर चलने वाले समारोह में पद्मश्री पार्वती बरुवा, खिलाड़ी यमुना बोड़ो, गायिका धनदा पाठक, पैरा एथलीट जूरी डेका, शिक्षाविद मंजू पेंड, एएम टेलीविजन की समूह अध्यक्ष अक्षता नारायण, प्रवक्ता उमा सैकिया और उद्यमी महिला अनामिका दलै सैकिया सहित सैकड़ों विशिष्ट अतिथि शामिल होंगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में इसी दिन सभी जिलों और मंडलों में स्थानीय उद्यमी और जागरूक महिलाओं की भागीदारी के साथ महिला दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा।

केएमसीएच को एसी बस सौंपी गई बीटीआर में स्वास्थ्य ढांचे को मिलेगी मजबूती

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) के चिकित्सा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आज बीटीआर प्रशासन ने 24-सीटर एयर-कंडीशंड बस कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (केएमसीएच) को आधिकारिक रूप से सौंपी गई। बस हस्तांतरण कार्यक्रम में बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) विधानसभा के अध्यक्ष काती राम बोड़ो और बीटीआर के परिवहन विभाग के कार्यकारी सदस्य (ईएम) रनेंद्र बसुमतारी ने भाग लिया। यह पहल बीटीआर के मुख्य कार्यकारी पार्षद (सीईएम) प्रमोद बोड़ो द्वारा शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य मेडिकल कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए बेहतर परिवहन सुविधा सुनिश्चित करना है। इस नई बस के जुड़ने से दैनिक आवागमन में सुविधा होगी और क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की समग्र दक्षता बढ़ेगी। समारोह को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष काती राम बोड़ो और ईएम रनेंद्र नार्जारी ने छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और कोर्स पूरा करने के बाद समाज की सेवा में योगदान देने की प्रेरणा दी। इससे पहले, केएमसीएच के प्राचार्य ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों का स्वागत करते हुए बीटीआर सरकार, विशेष रूप से बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो और ईएम रनेंद्र नार्जारी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बहुप्रतीक्षित सुविधा छात्रों के फील्ड अस्पतालों के दौरे और अकादमिक गतिविधियों के लिए बेहद सहायक होगी। इस हस्तांतरण समारोह में कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें सांसद जयंता बसुमतारी, विधायक लॉरेंस इस्लारी, एमसीएलए माधब चंद्र छेत्री, बीटीआर के सीईएम के ओएसडी उत्तम ब्रह्म, परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव रक्टिम बुढ़ागोहाईं, बीटीसी के संयुक्त परिवहन आयुक्त डी. चक्रवर्ती, कोकराझाड़ के डीटीओ धजेन

गुवाहाटी नगर निगम ने संपत्ति कर से 85 करोड़ वसूले

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 85 करोड़ रुपए का संपत्ति कर संग्रह किया है। आज संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जीएमसी के मेयर मृगेन शरणिया ने इसकी जानकारी देते हुए बकायेदारों से मार्च तक बकाया राशि चुकाने का अनुरोध किया है। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि भुगतान न करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने बताया कि गुवाहाटी के 1.16 लाख घरों में से 1.10 लाख घरों से कर वसूला जा चुका है। शहर की दुकानों से 27 करोड़ रुपए कर के रूप में प्राप्त हुए हैं, लेकिन लगभग 25 हजार व्यापारी अभी भी वैध व्यापार लाइसेंस नहीं रखते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अप्रैल तक कर भुगतान करने वालों को 10 फीसदी की छूट दी जाएगी, जबकि देर से भुगतान करने वालों को केवल पांच फीसदी की छूट मिलेगी। कर न चुकाने वालों पर 20 फीसदी तक की पेनल्टी लग सकती है।

गुवाहाटी पुलिस की बड़ी कार्रवाई : हेरोइन चोरी की बाइक और अवैध शराब जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। कई अभियानों में, गुवाहाटी पुलिस ने हेरोइन, चोरी की बाइक और अवैध शराब जब्त की और कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया। फैंसी बाजार से ड्रग्स और चोरी का मोबाइल जब्त किया गया। पानबाजार पुलिस ने 4 नंबर रेलवे गेट, फैंसी बाजार के पास एक अभियान चलाया और दो व्यक्तियों- अब्दुल हक (66) और सफीकुल इस्लाम (24) को गिरफ्तार किया। संदिग्ध हेरोइन से भरी 08 प्लास्टिक की शीशियां (वजन 10.66 ग्राम), ड्रग स्टोरेज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 140 खाली प्लास्टिक की शीशियां, एक रेडमी मोबाइल फोन (चोरी का संदिग्ध), एक ई-रिक्शा चार्जिंग मशीन और चांदी के आभूषण (4 पायल, 2 चेन, 1 अंगूठी) बरामद किए गए हैं। दिसपुर पुलिस ने मेघालय पुलिस की मदद से भारत-बांग्लादेश सीमा के पास पूर्वी खासी हिल्स के पिनुरसला थाना अंतर्गत लापलांग बस्ती से चोरी की गई चार बाइक बरामद की। बरामद बाइकों में एएस- 01जीबी-8598 (रॉयल एनफील्ड गोरिल्ला 450), एएस-15आर-4823 (बजाज पल्सर), एएस- 01ईटी-9167 (बजाज पल्सर) और एएस- 12एएच-1648 शामिल हैं। तीन बाइक चोर- रोफिकुल अली (कोयाचुई, बरपेटा), सैफुल अली (पचिम माजदिया, सरथेबारी थाना, बरपेटा) और सद्दाम खाम (निजबहारी, ताराबारी थाना, बरपेटा)- को गरचुक इलाके से गिरफ्तार किया गया। एक अन्य अभियान में सोनापुर में अवैध शराब का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया। सोनापुर पुलिस ने कलंगपार गांव में बसिंद्र बर्मन के घर पर छापा मारा और अवैध रूप से संग्रहीत भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) की बड़ी मात्रा जब्त की। जब्त किए गए सामानों में किंगफिशर बीयर (650 एमएल)-37 कार्टून, किंगफिशर कैन बीयर (500 एमएल)-4 कार्टून, मैकडॉवेल व्हिस्की (180 एमएल)-5 कार्टून, इंपीरियल ब्लैक व्हिस्की (180 एमएल)-3 कार्टून और आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की (180 एमएल)-8 कार्टून शामिल हैं। ये सफल ऑपरेशन गुवाहाटी में मादक पदार्थों की तस्करी, वाहन चोरी और अवैध शराब के व्यापार पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई का संकेत देते हैं।

असम की 83, 000 हेक्टेयर जमीन पर चार राज्यों का अतिक्रमण

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने विधानसभा में बताया कि राज्य की लगभग 83, 000 हेक्टेयर जमीन पर चार पड़ोसी राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय और मिजोरम ने अतिक्रमण कर रखा है। मंत्री बोरा ने कांग्रेस विधायक रेकिबुद्दीन अहमद के सवाल के जवाब में कहा कि अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय और मिजोरम ने कुल 82, 751.86 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा कर लिया है। इनमें सबसे ज्यादा 59, 490.21 हेक्टेयर क्षेत्र पर नगालैंड का कब्जा है। अरुणाचल प्रदेश ने 16, 144.01 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण किया है, जबकि मिजोरम के कब्जे में 3, 675.78 हेक्टेयर भूमि है। मेघालय ने 3, 441.86 हेक्टेयर पर कब्जा किया है, जो इन चारों राज्यों में सबसे कम है।

राज्यपाल ने कॉटन विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि भारत एक परिवर्तनकारी यात्रा के दौर में है, जहां विद्यार्थियों को, जो राष्ट्र के अमृत संतान हैं, नवीनतम ज्ञान, अत्याधुनिक तकनीक, शोध और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि देश को विकसित भारत में परिवर्तित करने में वे प्रमुख भूमिका निभा सकें। राज्यपाल आज यहां कॉटन विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने छात्रों से कहा कि अमृतकाल में उन्हें शोध और नवाचार से लैस होकर एक मजबूत सहभागी की भूमिका निभानी चाहिए, जिससे भारत वास्तविक रूप में विकसित राष्ट्र बन सके। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि विद्यार्थी अपनी संस्कृति, सभ्यता और मूल्यों को बनाए रखें और उन्हें संजोएं। साथ ही, आधुनिक तकनीक को अपनाकर राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि आने वाले समय में देश की जिम्मेदारी आपके कंधों पर होगी। आचार्य ने असम के महान संत श्रीमंत शंकरदेव और श्री माधवदेव का उल्लेख करते हुए छात्रों से आह्वान किया कि वे इन महापुरुषों के जीवन मूल्यों से प्रेरणा लें और राज्य व राष्ट्र के लिए अद्वितीय कार्य करें। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने और *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* और *आत्मनिर्भर भारत* तथा *स्वस्थ भारत* के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कॉटन विश्वविद्यालय सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को शोध, नवाचार, कौशल विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा को प्राथमिकता देने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उभरती तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल ने कॉटन विश्वविद्यालय को हाल ही में नैक मूल्यांकन में एग्रेड प्राप्त करने पर बधाई दी और विश्वविद्यालय की निरंतर उन्नति और बदलते अकादमिक परिवेश के साथ तालमेल बनाए रखने की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय जलवायु विज्ञान, प्रदर्शन कला, और एनईटी-जेआरएफ जैसी परीक्षाओं के लिए कोचिंग कार्यक्रमों जैसे विषयों पर शोध-आधारित और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आचार्य ने स्नातकों को प्रेम, करुणा, न्याय और नि:स्वार्थ सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने और असम एवं भारत का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी स्नातकों और उनके परिवारों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कनक सेन डेका को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मानद डीलिट की उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में कुल 3, 001 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें 86 पीएचडी विद्वान, 1, 658 स्नातकोत्तर, 1, 240 स्नातक और 17 डिप्लोमा धारक शामिल हैं। इसके अलावा, 128 छात्रों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र स्टेट स्किल्स यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. अपूर्वा पलकर, आईआईटी गुवाहाटी के पूर्व निदेशक प्रो. गौतम बरुवा, कॉटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चंद्र डेका सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न अकादमिक एवं प्रशासनिक निकायों के प्रतिष्ठित सदस्य, डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने विद्यालय में लगाया वाटर फिल्टर

होजाई। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा द्वारा आज होजाई के विष्णुपल्ली स्थित मारवाड़ी हिंदी प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के पीने हेतु स्वच्छ जल की सुविधा हेतु वाटर फिल्टर लगाया गया। उक्त कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष प्रियंका सरावगी, सचिव प्रियंका बेरीवाल, कोषाध्यक्ष ममता अग्रवाल एवं प्रांतीय अधिकारी ज्योति सुरेका एवं अन्य सदस्यगण मृदुल अग्रवाल, बबिता चनानी, विनीता सरावगी, अनीता अग्रवाल, पूनम मोर एवं प्रतिभा राठी उपस्थित थी। वहीं, एक शाखा सदस्य द्वारा सीलिंग पंखा भी विद्यालय कक्ष के लिए दिया गया। उक्त कार्य की सभी स्कूल प्रबंधन एवं छात्रों ने प्रशंसा की। उक्त जानकारी शाखा सचिव प्रियंका बेरीवाल ने दी।

एक्सिस बैंक का 20 लाख और परिवारों को सशक्त बनाने का संकल्प

गुवाहाटी। देश में निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने अपने साझेदार एनजीओ और एक्सिस ग्रुप की लीडरशिप टीम के साथ *अभिसरण 2025* नामक बहु-हितधारक कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन में वन एक्सिस सीएसआर विजन को लांच किया गया, जो पूरे एक्सिस ईकोसिस्टम के तहत सामाजिक बदलाव के लिए एकीकृत दृष्टिकोण है। यह आयोजन बैंक की सीएसआर यात्रा में एक अहम पड़ाव साबित हुआ, जहां *मिशन2मिलियन* पहल की सफल समाप्ति का जश्न मनाया गया और *मिशन4मिलियन* की शुरुआत की गई। इस नए लक्ष्य के तहत सतत आजीविका, वित्तीय सशक्तिकरण और कौशल विकास के जरिए 20 लाख और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग दिया जाएगा। अभिसरण 2025 में एक्सिस बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों और एक्सिस बैंक फाउंडेशन (एबीएफ) के ट्रस्टी शामिल हुए, जिनमें चेयरपर्सन एस रामादोरई, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुनीश शारदा, एक्सिस बैंक में स्ट्रैटेजिक प्रोग्राम्स और सस्टेनेबिलिटी के ग्रुप एग्जीक्यूटिव विजय मुलबागल और 70 से अधिक एनजीओ साझेदार संगठनों के संस्थापक और लीडर्स शामिल थे। इस आयोजन का उद्देश्य आजीविका सृजन, शैक्षणिक परिणामों, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और पर्यावरणीय स्थायित्व के लिए नए समाधान तलाशना था। इसी कार्यक्रम के दौरान एक पैनल चर्चा का भी आयोजन हुआ, जिसमें कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा करने के लिए इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया। पैनल में अलोका मजूमदार, एमडी, ग्लोबल हेड ऑफ फिलान्थ्रॉपी और हेड ऑफ सस्टेनेबिलिटी- इंडिया, एचएसबीसी; डॉ. आनंद बांग, जॉइंट डायरेक्टर, सर्च, टाटा ट्रस्ट्स और महाराष्ट्र सरकार के सलाहकार; हरीश हांडे, संस्थापक, सेल्को फाउंडेशन और निमेश सुमति, सह-संस्थापक, केयरिंग फ्रेंड्स शामिल थे। अभिसरण 2025 में एक्सिस बैंक की सात मुख्य सीएसआर थीम- आपदा राहत, शिक्षा, पर्यावरण, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका और खेल-कूद पर गहन चर्चा की गई। इन पहलों के माध्यम से, बैंक ने भारत भर के लगभग 530 जिलों तक अपनी पहुंच बढ़ाई है, जिससे देश के कुछ सबसे दूरदराज और कमजोर समुदायों और क्षेत्रों तक पहुंच बनाई गई है। इस अवसर पर एबीएफ ने अपनी *मिशन2मिलियन* पहल की महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाया, जिसे वर्ष 2019 में शुरू किया गया था।

राज्य के चाय बागानों और आदिवासी युवाओं के लिए रोजगार पूर्व प्रशिक्षण का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 37वीं वाहिनीं के कमांडिंग अधिकारी रामावतार भालोतीया ने बीओपी सामरांग वाहिनीं शिविर में 10 दिवसीय भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। आधुनिक भारत फाउंडेशन के सहयोग से सशस्त्र सीमा बल की 37वीं वाहिनीं की पहल में आयोजित इस कार्यक्रम में चाय बागानों और आदिवासी समुदायों के सौ से अधिक महत्वाकांक्षी युवाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में आधुनिक भारत फाउंडेशन के खेल प्रमुख इस्प्रधान तांती, ग्राम प्रधान दुकुना नेवार के अलावा बहुत से अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बताया गया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा उम्मीदवारों को शारीरिक, चिकित्सा और लिखित परीक्षाओं के लिए तैयार करना था, जिससे उनके सशस्त्र सीमा बल में चयनित होने की संभावना बढ़ सके। बताया गया कि यह पहल चाय बागानों और आदिवासी समुदायों से भर्ती को बढ़ावा देने, उन्हें रोजगार और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। कार्यक्रम के दौरान बल वाहिनीं के कमांडिंग अधिकारी रामावतार भालोतीया ने कहा कि असम में रहने वाले चाय बागानों और आदिवासी युवाओं के लिए विशेष उपायों की व्यवस्था करने के लिए भारत के गृह मंत्री को पत्र लिखने के बाद आधुनिक भारत फाउंडेशन द्वारा यह कार्यक्रम शुरू किया गया था। उन्होंने इस पहल के लिए और आदिवासी और चाय बागान युवाओं को एसएसबी में शामिल होने में मदद करने के लिए आधुनिक भारत फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। वहीं ग्राम प्रधान दु कुना नेवार ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि प्रशिक्षण से चाय बागानों और आदिवासी युवाओं को भविष्य में सशस्त्र सीमा बल में शामिल होने में लाभ होगा। आधुनिक भारत फाउंडेशन के खेल प्रमुख श्री इस्प्रधान तांती ने इस बात पर जोर दिया कि फाउंडेशन पहली बार समुदाय के लाभ के लिए काम कर रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों को सशस्त्र सीमा बल में चयनित होने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। सशस्त्र सीमा बल में शामिल होने के लिए यह प्रशिक्षण ओरंगाजुली टी एस्टेट फुटबॉल ग्राउंड में 10-दिवसीय भर्ती पूर्व कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसी तरह के भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण शिविर देश के अन्य हिस्सों, जैसे उदालगुड़ी में भी आयोजित किए गए, जहां आधुनिक भारत फाउंडेशन के सहयोग से भारतीय सेना द्वारा आयोजित शिविर में 244 युवाओं ने भाग लिया।

संपादकीय

युवा मन में कातिल विचार

शिक्षा में संतुष्टि का भाव होता तो एनआईटी हमीरपुर परिसर में कोई छात्र खुदकुशी के फंदे से न लटकता। बरेली से बीटेक की डुअल डिग्री कर रहे छात्र ने आखिर किस शिकायत, किस असंतोष, किस अनिश्चय और किस अंधेरे से आजिज आकर मौत को गले लगाया। किसी भी राष्ट्रीय संस्थान की पैरवी में भारत की युवा पीढ़ी का भविष्य उसके संवरने और संभलने का भी है और इसी बुनियाद पर एक नए भारत का निर्माण सुनिश्चित हो रहा है, लेकिन जब कहीं युवा हुलिया यहीं आकर बिगड़ता है तो जिंदगी के सवाल कठिन शैक्षणिक सफलता के प्रांगण में आकर खड़े हो जाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर महाकुंभ के दौरान एक आईआईटी बाबा की कहानी का रहस्य, हमारे समाज को पाप की गठरी बना देता है, जहां भविष्य का हुनर रेंगने लगता है। कोई पढ़-लिख कर साधु समाज में पनाह मांगने को विवश हो रहा है, तो उपचार की पोशाक में जिंदगी के ताने-बाने उलझ जाते हैं। युवा मन के भीतर किसी कातिल विचार की घुसपैठ का अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन यह गहन चिंता और चिंतन का विषय है कि शिक्षा और करियर के विषयों की समाधि में प्रतिभाएं अपनी जिंदगी के नूर को अलविदा कहने को मजबूर हो रही हैं। क्यों शिक्षा के प्रांगण में राहत की तलाश भटक कर नशे के समुद्र में डूब रही है। हमीरपुर एनआईटी परिसर में दो वर्ष पूर्व एक छात्र नशे की ओवरडोज में मौत तक जा पहुंचा था। आए दिन प्रदेश में नशे की ओवर डोज से रिश्ते मातम में बदल रहे हैं। प्रतिस्पर्धा की अति, ज्ञान की मति और समाज की आधुनिक सदी में ऐसी विकरालता का सबब अब विद्रूपता के साथ दिखाई देने लगा है। यू-ट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया का मामला महज अभद्रता नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों के प्रति युवा पीढ़ी की उच्छृंखलता की तरह है। भले ही अदालत ने इलाहाबादिया को पॉड कास्ट की इजाजत दे दी, लेकिन युवा आदर्शों की उन्मुक्तता में नैतिकता के सवाल अब रहे कहां। बेशक संस्कृति के नाम पर शुरू हुई थानेदारी भी सही नहीं, लेकिन जिस तरह फिल्म व सीरीज के विषयों में युवाओं का प्रतिनिधित्व हो रहा है, उसे भी सही परिप्रेक्ष्य में नहीं ले सकते। कभी परिवारों के साथ बैठकर टीवी सीरियल देखना भी दिनचर्या का एक आयाम होता था, लेकिन अब पूरा परिवार एक साथ बैठ भी जाए, तो टीवी स्क्रीन पर आदर्शों को नकारती बहादुरी मिल जाएगी। रही सही कसर सोशल मीडिया के बेहूदा प्रदर्शन ने तोड़ दी है। बिखराव जीवन के हर पहलू और संवाद में है, तो क्यों न डिग्रियों के आलम में खड़े किए गए भविष्य को दोष दिया जाए। बच्चे अब शिक्षा के कबूतरखाने में सिर्फ करियर की गुटरगूं में मशगूल हैं। स्कूल से अकादमी, फिर अच्छे कालेज में प्रवेश का संघर्ष और अंत में शिक्षा के विषयों में भविष्य खोजते युवा के मन में आ रहे बिखराव उसे तोड़ रहे हैं। जो युवा पंखे से झूल कर मौत को गले लगा रहा है, उसके संदर्भ इतने आसान भी नहीं कि एक अध्याय में समझे जा सकें। दोषी तो अभिभावक भी कम नहीं जो बच्चों को बचपन से ही करियर के खेत में जोत देते हैं और जहां से शुरू होते हैं दबाव, व्यस्तता, विरक्ति और अति कठिन प्रतिस्पर्धा। इतना ही नहीं, कारपोरेट जगत में उपलब्ध नौकरियां भी इतनी निष्ठुर व अकृतज्ञ हैं कि युवा पीढ़ी जीवनचक्र में चोटिल व असहज हो रही है। ऊंची उछाल से गिरोगे, तो अपने ही वजन से घायल हो जाओगे। एनआईटी हमीरपुर के छात्रावास में एक छात्र क्यों इतनी घुटन महसूस करने लगा कि उसने अपनी डिग्रियों की प्रस्तावना में खुदकुशी लिख ली। कारण कई हो सकते हैं, लेकिन शिक्षा के शिखर अब अशांत कर रहे हैं। युवा मसले, युवा एहसास, युवा आकाश, युवा सुकून व युवाओं का आत्मबल कहीं चोटिल है, तो सफलताओं के मूल्यांकन को बदलना होगा। शिक्षा के विषय, रोजगार के मायने, सामाजिक उपलब्धियों के गठजोड़ तथा श्रेष्ठता की कसरतें बदलनी होंगी, वरना स्कूल पहुंचते-पहुंचते बच्चे बदनाम गलियों और कालेज-यूनिवर्सिटी के गेट पर नशे के खरीददार हो जाएंगे।

बरेली से बीटेक की डुअल डिग्री कर रहे छात्र ने आखिर किस शिकायत, किस असंतोष, किस अनिश्चय और किस अंधेरे से आजिज आकर मौत को गले लगाया। किसी भी राष्ट्रीय संस्थान की पैरवी में भारत की युवा पीढ़ी का भविष्य उसके संवरने और संभलने का भी है और इसी बुनियाद पर एक नए भारत का निर्माण सुनिश्चित हो रहा है, लेकिन जब कहीं युवा हुलिया यहीं आकर बिगड़ता है तो जिंदगी के सवाल कठिन शैक्षणिक सफलता के प्रांगण में आकर खड़े हो जाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर महाकुंभ के दौरान एक आईआईटी बाबा की कहानी का रहस्य, हमारे समाज को पाप की गठरी बना देता है, जहां भविष्य का हुनर रेंगने लगता है। कोई पढ़-लिख कर साधु समाज में पनाह मांगने को विवश हो रहा है, तो उपचार की पोशाक में जिंदगी के ताने-बाने उलझ जाते हैं। युवा मन के भीतर किसी कातिल विचार की घुसपैठ का अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन यह गहन चिंता और चिंतन का विषय है कि शिक्षा और करियर के विषयों की समाधि में प्रतिभाएं अपनी जिंदगी के नूर को अलविदा कहने को मजबूर हो रही हैं। क्यों शिक्षा के प्रांगण में राहत की तलाश भटक कर नशे के समुद्र में डूब रही है। हमीरपुर एनआईटी परिसर में दो वर्ष पूर्व एक छात्र नशे की ओवरडोज में मौत तक जा पहुंचा था।

हिंदी ने अपने हृदय प्रदेश की किसी भी भाषा के अस्तित्व को कोई चोट नहीं पहुंचाई है

तमिलनाडु में भी उठी हिंदी समर्थक आवाज

उमेश चतुर्वेदी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने राजनीतिक फायदे के लिए तमिलनाडु की इसी भावना का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अब हिंदी के समर्थन में तमिलनाडु के भीतर से ही आवाज उठने लगी है। श्रीधर वेंबु तमिल माटी के ही सपूत हैं, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर और कारोबार की दुनिया में उनकी कंपनी जोहो का डंका बज रहा है। यही श्रीधर वेंबु खुलेतौर पर कहने लगे हैं कि आइए हम हिंदी सीखें। हिंदी ना जानने की वजह से हो रही कारोबारी दुश्वारियों को वे समझ रहे हैं, इसीलिए वे ना सिर्फ हिंदी सीख रहे हैं, बल्कि इसकी मुनादी भी कर रहे हैं। श्रीधर ने ट्वीटर पर जब हिंदी सीखने की अपील की तो इसे स्टालिन की भाषायी राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जाने लगा। ऐसा होना स्वाभाविक भी है।

संस्कृति का उपादान और उसके नैरंतर्य का जरिया होने की वजह से भाषाएं उन लोगों के लिए भावनात्मक मुद्दा होती हैं, जो उन्हें प्राथमिक जुबान के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने राजनीतिक फायदे के लिए तमिलनाडु की इसी भावना का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अब हिंदी के समर्थन में तमिलनाडु के भीतर से ही आवाज उठने लगी है। श्रीधर वेंबु तमिल माटी के ही सपूत हैं, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर और कारोबार की दुनिया में उनकी कंपनी जोहो का डंका बज रहा है। यही श्रीधर वेंबु खुलेतौर पर कहने लगे हैं कि आइए हम हिंदी सीखें। हिंदी ना जानने की वजह से हो रही कारोबारी दुश्वारियों को वे समझ रहे हैं, इसीलिए वे ना सिर्फ हिंदी सीख रहे हैं, बल्कि इसकी मुनादी भी कर रहे हैं। श्रीधर ने ट्वीटर पर जब हिंदी सीखने की अपील की तो इसे स्टालिन की भाषायी राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जाने लगा। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा के सम्मान के नाम पर वह तमिल भावनाओं को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में वे कभी हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हैं और जब हिंदी पर यह आरोप साबित नहीं हो पाता तो वह हिंदी पर यह आरोप लगाने से भी पीछे नहीं हटते कि अपने हृदय प्रदेश की बोली-बानियों और छोटी भाषाओं के अस्तित्व को उसने निगल लिया है। स्टालिन का यह कहना कि हिंदी ने भोजपुरी, अवधी, अंगिका आदि भाषाओं के अस्तित्व को नष्ट कर दिया है, उसी आरोपबाजी का विस्तार है। जबकि हकीकत यह है कि हिंदी ने अपने हृदय प्रदेश की किसी भी भाषा के अस्तित्व को कोई चोट नहीं पहुंचाई है। उलटे हिंदी इन भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में काम कर रही है। वह उन भाषाओं से शब्दों को लेकर समृद्ध भी हो रही है। अवधी, भोजपुरी, बैसवाड़ी या ब्रजभाषी जब अपने भाषा समुदाय से दूर के लोगों से मिलतें हैं, उनके सहज संवाद की भाषा हिंदी होती है। इस संवाद प्रक्रिया में वह हर भाषा से कुछ शब्द लेती है, उन्हें दोनों के बीच के कड़ी के रूप में स्थापित करती है और इस तरह खुद भी समृद्ध होती है और अपनी बोली या उपभाषाओं को भी ताकतवर बनाती है। महात्मा गांधी ने तमिल और तेलुगू युवाओं से एक सौ सात साल पहले हिंदी सीखने की अपील की थी। उनके ही आह्वान पर 17 जन 1918 को एनी बेसेंट और

रामास्वामी अय्यर ने दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। गांधी जी का सपना था कि तमिल और तेलुगू जैसे अहिंदीभाषी इलाकों के हिंदी को ना सिर्फ सीखें, बल्कि हिंदी को लेकर अपने राज्यों में माहौल बनाएं। गांधी जी का वह सपना सौ साल से अधिक वक्त के बाद सच होता नजर आ रहा है। श्रीधर वेंबू जैसे घोर तमिलभाषी व्यक्ति का हिंदी के समर्थन में सामने आना और उनके साथ तमिलनाडु ही नहीं, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना आदि के लोगों का खड़ा होना मामूली बात नहीं है। हिंदी को लेकर तमिलनाडु के आम जन की जो छवि कम से कम उत्तर भारत में बनी है, तमिलनाडु से हिंदी के समर्थन में उठने वाली ये आवाजें उसे खंडित कर रही हैं। श्रीधर वेंबु जैसी महत्वपूर्ण स्वरों का हिंदी के समर्थन में उठना तमिलनाडु के आमजनों की कथित हिंदी विरोधी छवि का भी जवाब है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे आर्थिक विचारक एस गुरूमूर्ति तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक हलके की महत्वपूर्ण आवाज हैं। लेकिन हिंदी को लेकर तमिलनाडु में जो सामान्य धारणा रही है, उसकी वजह से हिंदी समर्थक उनके सुर को तमिल माटी में तवज्जो देने से बचा जाता रहा है। लेकिन श्रीधर वेंबु की आवाज और उनके समर्थन में सोशल मीडिया मंचों पर उमड़े युवा स्वरों ने गुरूमूर्ति की हिंदी समर्थक आवाज को ताकत दी है। गुरूमूर्ति भी खुलकर हिंदी विरोधी राजनीति के खिलाफ अपने तर्क दे रहे हैं और उन तर्कों को तमिलनाडु में ध्यान से सुना-पढ़ा जा रहा है। हिंदी का समर्थन करते हुए श्रीधर यह भी कह रहे हैं कि उनकी कंपनी का कामकाज तमिलनाडु की तुलना में दूसरे राज्यों में ज्यादा है। जहां उनकी कंपनी अपने तमिल अधिकारियों और प्रोफेशनल को भेजने में हिचकती है, क्योंकि वे दूसरे राज्यों में सहज संवाद विशेषकर जमीनी स्तर पर नहीं कर पाते। 1965 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन हुआ था। उसकी वजह यह थी कि संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी को राजकाज की भाषा का स्थान लेने के लिए पंद्रह साल की अवधि 25 जनवरी 1965 को पूरी हो रही थी। तब क्षेत्रीय द्रविड़ राजनीति को हिंदी विरोध में अपनी राजनीतिक राह दिखी। तमिल उपराष्ट्रीयता को उन्होंने हिंदी विरोध के नाम उभारा और स्थानीय लोक को अपने पक्ष में लामबंद किया। इसकी वजह से भारत सरकार को हिंदी को राजकाज की भाषा बनाने के संवैधानिक आग्रह को अनंत काल के लिए कानूनी तौर पर टालना पड़ा। इन अर्थों में तमिलनाडु का हिंदी विरोधी आंदोलन सफल कहा जाएगा। उसी वक्त से तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू नहीं है, जबकि तकरीबन समूचे देश में पढ़ाई के लिए त्रिभाषा यानी स्थानीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी की पढ़ाई की सुविधा लागू है। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति में फिर से प्राथमिक स्तर से ही त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने की बात की गई है और स्टालिन का हिंदी विरोध इसी फॉर्मूले के विरोध के साथ उभरा है। तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों से हिंदी भले ही दूर हो, लेकिन सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम लागू करने वाले विद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। अखिल भारतीय नौकरियों के मद्देनजर स्थानीय लोग अपने बच्चों को सीबीएसई बोर्ड वाले स्कूलों में पढ़ा तो रहे ही हैं, बच्चों को अलग से हिंदी की कोचिंग भी दिला रहे हैं। गुरूमूर्ति के अनुसार, तमिलनाडु में सीबीएसई बोर्ड वाले स्कूलों में साठ लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जबकि तमिलनाडु सरकार के विद्यालयों में करीब 83 लाख बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि तमिलनाडु सरकार के विद्यालयों के बच्चे हिंदी से दूर हैं, जिनकी संख्या सीबीएसई विद्यालयों के विद्यार्थियों का करीब एक सौ बीस गुना ज्यादा है। तमिलनाडु की आज की प्रौढ़ हो चुकी पीढ़ी में एक वर्ग ऐसा भी है, जो सोचता है कि हिंदी विरोधी आंदोलन में हिस्सा लेकर उसने गलती की। इस गलती को सुधारने के लिए वह पीढ़ी अपने बच्चों को हिंदी से घृणा करना सीखने-सिखाने से बचती है। इसके अलावा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा अब तक सवा दो करोड़ से ज्यादा लोगों को हिंदी सिखा और पढ़ा चुकी है। इसी साल उससे जुड़े विद्यार्थियों की संख्या पांच लाख से कुछ ज्यादा ही है।

दृष्टि कोण

बासंतिक शोभना का शिखर होली

फाल्गुन माह के आगामी शोभित-स्वर्णिम दिनों में होली आएगी। काश यह 'आएगी' की वास्तविकता प्रत्येक सप्ताह पुनः-पुनः घटती। काश होली का दिवसीय मध्याह्न सदैव के लिए ठहर जाता। काश होलिका दहन की रात्रि हर दो दिन बाद प्रकट होती। मौसम की अस्थिरता, कुरूपता, प्रतिकूलता और विकृतियों से पीड़ित प्रत्येक संवेदनशील व्यक्ति के अंतर्मन में ऐसे ही दार्शनिक विचार उमड़ते रहते हैं। जब कोई दिवस, त्योहार या उत्सव सुंदर-सुभाषित मौसम के साथ उपस्थित होता है तो एक अप्रत्याशित इच्छा उभरती है कि काश आगे का जीवन-समय ऐसी ही सुंदरता-सुभाषिता के साथ बीते। किंतु ऐसा होने या घटने की मनुष्य के पास केवल दार्शनिक कल्पना ही है। वास्तव में इस युग में पृथ्वी पर ऐसा होना असंभव है। इस लेखक के जीवनकाल में तो ऐसा होना संभव है ही नहीं। बाद में चमत्कार द्वारा ऐसा हो जाए, तो सुंदर दार्शनिक कल्पनाओं के साथ जीने वाले उस समय के व्यक्तियों का सौभाग्य। होली के त्योहार से पहले के दस-पंद्रह दिन सौंदर्य, माधुर्य, आश्चर्य और सहचर्य से परिपूर्ण होते हैं। होलिका दहन की विशिष्ट रात्रि और होली का विशेष दिवस, दोनों ही प्राकृतिक सौंदर्य के सर्वाधिक आकर्षक स्वरूप होते हैं। जहां फाल्गुन माह की पूर्णिमा रजनी के प्रति सम्मोहन बढ़ाती है, वहां रंगों से भरा वातावरण दिवस के प्रति मुग्धता में वृद्धि करता है। वर्षों पहले होली जैसे उत्सव जन-जन के हृदय में वह आनंद भरते थे, जो जीवन-संघर्ष की पीड़ाओं का औषध बनकर हरण करते थे। जब तक होली ग्रामीण भारत में पारंपरिक विधि-विधानों के साथ मनाई जाती थी, तब तक मनुष्य के जीवन का सबसे आनंदित पक्ष हुआ करती थी। भारतीय संस्कृति की अग्रणी उत्सवी विरासत थी होली कभी। भारत के ग्राम्य जीवन की परंपराओं का ऋतु प्रसाद थी होली।

ऐसे व्यतीत समय का स्मृतिविहार करते-करते बचपन याद हो आता है। हिमालय की तलहटी के गांवों में होलिका उत्सव एक या दो दिनों का नहीं, अपितु महीनों का उत्सव हुआ करता था। गांव के युवक मंत्रोच्चारण व वैदिक कर्मकांड करने के बाद 'पंय्या' नामक पवित्र वृक्ष की एक बड़ी टहनी काटकर लाते और गांव के किसी आकर्षक-आह्लादित स्थल पर उसे खड़ा करके उसे होलिका का स्वरूप प्रदान करते। वृक्ष के चहुंओर उपलों का ढेर लगाया जाता। फाल्गुन पूर्णिमा की रात तक प्रतिदिन लकडियां ला-ला कर वहां रखी जातीं। पूर्णिमा तक उपलों और शुष्क लकडियों का ढेर टहनी की ऊंचाई तक पहुंच जाता। युवक उसके चहुंओर मानव-श्रृंखला बनाकर घूमते। गीत-गायन करते। यंत्र-वादन करते। युवकदल अपने गांव के प्रत्येक घर और दूसरे गांवों के घर-घर जा कर भी ऐसा ही उपक्रम करते। प्रातःकाल से पूर्व अपने गांव लौट आते। चंद्र दीप्ति से पूर्ण रात्रियों में पहाड़ों के गांवों-गांवों की पदयात्रा करना कितना अनुपम और मनोहर उत्सवीकर्म होता! होली उत्सव का यह स्वरूप मानवीय और सामाजिक संबंधों को गहन करता था। ऐसा त्योहारी उपागम मानव की दृष्टि-अंतर्दृष्टि को जीवंत बनाता था। उसे मानवीयता से संचित किया करता था। यदि होली उत्स को पौराणिक, धार्मिक और सामाजिक प्रसंगों से पृथक कर केवल प्राकृतिक रूप, स्वरूप, रंग व तत्त्वों के साथ एकाकार होने तक सीमित कर मनाया जाए, तो भी यह धरती का अप्रतिम उत्स बन जाता है। सतयुग, राजा हिरण्यकश्यप, हिरण्यकश्यप के पुत्र भक्त प्रह्लाद, प्रह्लाद की बुआ होलिका और नरसिंह भगवान के स्वरूप में श्रीविष्णु के अवतरण के पौराणिक चरित्रों-पात्रों के साथ होली को न भी संबद्ध करें, तो भी होली विहंगम है। किंतु जब उत्सव की आधारशिला ही उक्त युग और उसके चरित्र-पात्र थे, तो तब कोई नास्तिक ही होगा जो इन्हें छोडक़र उत्सवी रंग में स्वयं को रंगना चाहेगा। होली के पुरातन, प्राचीन, पौराणिक और सर्वोपरि प्राकृतिक भाव-विचारों के साथ रंगोत्सव में डूबना वास्तव में मुक्ति का जीता-जागता अभ्यास है। बासंती सम्मोहन में डूबकर कौन होगा जो मोक्ष जैसी अनुभूतियां नहीं करता होगा! वर्षभर ऋतु जैसी भी हो, परंतु होलिका दहन की रात और रंगक्रीड़ा के दिवस में ऋतु साक्षात सौंदर्य आभा बनकर प्रकट होती है। बासंतिक शोभना द्वारा संपूर्ण भूलोक एक दिव्यलोक में परिवर्तित हो जाता है। बसंत ऋतु के यौवन का चरमोत्कर्ष होती है फाल्गुन पूर्णिमा। भू की अनुभूति स्वर्गिक हो उठती है इस दिन। सेमल, पलाश या टेसू, बुरांश इत्यादि प्रजातियों के वृक्ष अपने लालरंगी पुष्पों के साथ धरती की सुषमा को व्योम तक फैला देते हैं। व्यक्ति की संवेदनाएं ऐसे व्योम को स्पर्श करने के लिए आतुर हो उठती हैं।

कुछ अलग

बदहाली की शिक्षा

हरियाणा के सरकारी स्कूल जिस बदहाली से गुजर रहे हैं उसका निष्कर्ष यही है कि ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने साबित हो सकते हैं। हरियाणा के प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए युक्तीकरण के प्रयासों से राज्य में सार्वजनिक शिक्षा की निराशाजनक स्थिति ही उजागर हुई है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य में 487 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बिना किसी शिक्षक के संचालित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह है कि करीब 294 स्कूलों में कोई छात्र नामांकित नहीं है। निश्चय की छात्रों के मोहभंग के कारणों को समझना कठिन नहीं है। निश्चित रूप से यदि प्राथमिक शिक्षा की यह तस्वीर है तो माध्यमिक और उच्च शिक्षा की स्थिति और भी खराब हो सकती है। विडंबना यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की कवायद में शिक्षकों की बड़ी कमी के बावजूद पांच हजार से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो गए हैं। हालांकि, छात्र-शिक्षक अनुपात 28:1 प्रबंधनीय लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा खराब है। लगभग 16,500 से अधिक टीजीटी और 11,341 पीजीटी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। इतना ही नहीं राज्य के विश्वविद्यालय और कालेज भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यहां तक कि सरकारी कॉलेजों में भी व्याख्याताओं के लगभग आधी पद खाली हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि राज्य में योग्य बेरोजगारों की बड़ी संख्या के बावजूद ये पद खाली पड़े हैं। जो व्यवस्थागत खामियों की ओर ही इशारा करते हैं। विसंगति यह भी है कि बजटीय उपेक्षा ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले साल एक संबंधित मामले में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आवंटित बजट का समय रहते उपयोग न कर पाने के कारण शिक्षा निधि में 10,675 करोड़ रुपये वापस लौटने का उल्लेख किया था। जो शिक्षा विभाग की उदासीनता की ही तस्वीर ही उकेरता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक ओर वित्तीय संसाधनों की कमी की बात कही जाती है और दूसरी ओर शिक्षा निधि में उपयोग न किए गए धन को लौटाने की बात सामने आ रही है। जाहिरा तौर पर यदि आवंटित धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा निरर्थक ही साबित होगा। कमोवेश शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों का अंकगणितीय ज्ञान और साक्षरता का कौशल पंजाब व पड़ोसी राज्य हिमाचल से कमतर ही है। हाल में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2024 एक गंभीर स्थिति को ही उजागर करती है। वार्षिक स्थिति रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा आठवीं तक के केवल 43.1 प्रतिशत छात्र ही गणित में भाग की गणनाएं कर सकते हैं। जो कि वर्ष 2022 में 49.5 प्रतिशत से कम ही है। जबकि दूसरी ओर पंजाब के स्कूलों के छात्र 58 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं। उसके बाद हिमाचल प्रदेश 44 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर पढ़ने का कौशल भी उतना ही चिंताजनक है। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र गिरावट का ट्रेंड ही नजर आएगा। जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सरकारी स्कूलों में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों की ही अधिकता होती है। समाज के वंचित वर्ग के छात्र भी बड़ी संख्या में इन स्कूलों में दाखिले लेते हैं।

देश दुनीया से

नवाचार और अवसरों पर आधारित हो बजट

सुख का वायदा करने वाली हिमाचल प्रदेश सरकार का विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च से शुरू होगा। 17 मार्च को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हिमाचल का बजट पेश करेंगे। जनता की बहुत सी उम्मीदें इस बजट पर टिकी हैं। व्यवस्था परिवर्तन को मद्देनजर रखते हुए सरकार ने कुछ ऐसे सख्त निर्णय भी लिए हैं जिससे प्रशंसा, आलोचना और वित्तीय खामियाजा भी भुगतना पड़ा है। हिमाचल प्रदेश का 2025-26 का बजट आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होना चाहिए, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद मिले। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश विभिन्न आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें बढ़ता घाटा, ऋण का बोझ और राजस्व की सीमित संभावनाएं प्रमुख हैं। मार्च 2025 तक हिमाचल सरकार पर कर्ज और बढकऱ लगभग 95 हजार करोड़ रुपए का हो जाएगा। इस कठिन परिस्थिति में आत्मनिर्भरता ही एकमात्र समाधान हो सकता है, जिसके लिए सरकार को स्थानीय संसाधनों का कुशल प्रबंधन और नवाचार को बढ़ावा देना होगा। राज्य की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए सबसे पहले कृषि और बागबानी क्षेत्र में सुधार की जरूरत है। हिमाचल की जलवायु और भौगोलिक स्थिति इसे जैविक कृषि और विशेषकर फल उत्पादन के लिए उपयुक्त बनाती है। किसानों को आधुनिक तकनीकों, विपणन सुविधाओं और प्रसंस्करण इकाइयों से जोड़ा जाए, ताकि वे अपनी उपज का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। पर्यटन उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए होमस्टे, इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही, धार्मिक पर्यटन को व्यवस्थित कर इसे स्थायी राजस्व का स्रोत बनाया जा सकता है। पर्यटन में स्थानीय उत्पादों को भी जोड़ा जाए, ताकि हस्तशिल्प, लोक कला और स्थानीय व्यंजनों को नया बाजार मिले। जल विद्युत परियोजनाओं की क्षमता को पूरी तरह उपयोग में लाने और बिजली निर्यात से अधिक राजस्व प्राप्त किया जा सकता है। कृषि और बागबानी में नवाचार और प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन देकर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है, जिससे सरकार को भी अधिक राजस्व मिलेगा। बागबानी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक्स और कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं मजबूत करनी होंगी। औद्योगिक विकास के लिए राज्य में निवेश को आकर्षित करने की नीतियां बनानी होंगी, खासकर आईटी और फार्मा सेक्टर में। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्यमों को समर्थन देकर स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी होगा। पर्यटन, परिवहन और शराब जैसे क्षेत्रों में कर नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाना होगा, ताकि सरकारी राजस्व बढ़े और अवैध गतिविधियों पर रोक लगे। सरकारी खर्चों को नियंत्रित करने के लिए फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाना, प्रशासनिक सुधार लाना और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना आवश्यक होगा। केंद्र सरकार की योजनाओं और अनुदानों का पूरा लाभ उठाना, साथ ही बाहरी निवेश की फंडिंग को आकर्षित करने के लिए बेहतर नीति बनानी होगी। राज्य में आधारभूत ढांचे, विशेष रूप से सडक़, स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान देने से समग्र आर्थिक विकास संभव होगा, जिससे सरकार को चलाने में वित्तीय मजबूती मिलेगी। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को सौर और पनबिजली परियोजनाओं में निवेश करना चाहिए। हिमाचल की भौगोलिक स्थिति इसे हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए आदर्श बनाती है। सरकार को निजी निवेश को आकर्षित करने और स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए अनुकूल नीतियां बनानी होंगी। औद्योगिक क्षेत्र में छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन पर ध्यान देना होगा। पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। इसके लिए स्टार्टअप्स को सरकारी सहयोग और पूंजी निवेश की सुविधा दी जानी चाहिए। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश कर राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी प्रशिक्षण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने से बेरोजगारी की समस्या कम होगी। सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए व्यय को नियंत्रित करना होगा। गैर-जरूरी खर्चों को कम कर शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना और कृषि पर अधिक निवेश करना फायदेमंद होगा। हिमाचल प्रदेश में आर्थिक नीतियों को सुधारने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। सबसे पहले, पर्यटन को और अधिक संगठित और टिकाऊ बनाया जाए ताकि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और सरकार के लिए राजस्व का मजबूत स्रोत बन सके। इससे जुड़े बुनियादी ढांचे को बेहतर किया जाए और पर्यटकों के लिए नए आकर्षण विकसित किए जाएं। कृषि और बागबानी क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जाए ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकें। जैविक खेती को बढ़ावा देना, फसल विविधीकरण अपनाना और विपणन की आधुनिक व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और वे आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। हाइड्रोपावर और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया जाए, जिससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सकेगा। इस क्षेत्र में निजी और सरकारी भागीदारी को मजबूत करना चाहिए। स्थानीय उद्योगों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश की जाए और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के माध्यम से इनका प्रचार किया जाए। इससे छोटे व्यवसायों और पारंपरिक कारीगरों को सीधा लाभ मिलेगा। बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है। सरकार को युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि वे स्वरोजगार और स्टार्टअप की ओर बढ़ सकें। अंत में, पारदर्शी और दूरदर्शी आर्थिक नीतियां बनाई जाएं, भ्रष्टाचार पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए और सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। हिमाचल प्रदेश के लिए 2025-26 का बजट आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यदि सरकार इन उपायों को प्राथमिकता देती है, तो राज्य आर्थिक संकट से उबर सकता है।

आप का नजरीया

रेवड़ियां 'भीख' नहीं

मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद पटेल ने आम जनता को 'भिखारी' करार दिया है। मंत्री जी परेशान हैं कि लोग नेता को देख कर अपने कागज आगे बढ़ाने लगते हैं, मांगें करने लगते हैं, बच्चे के लिए नौकरी मांगने लगते हैं। ऐसा लगता है मानो जनता भिखारी बन भीख मांग रही हो! संदर्भ कुछ भी हो या मंत्री की मनःस्थिति ठीक न हो, लेकिन असल भिखारी तो नेता-मंत्री ही होते हैं, जो चुनाव के दौरान एक-एक वोट के लिए जनता से गुहार करते हैं। आखिर प्रह्लाद पटेल को विधायक और मंत्री किसने बनाया? यदि वह आम आदमी की बात नहीं सुनेंगे और उसकी मांग पूरी करने की कोशिश नहीं करेंगे, तो वह सत्ता में क्यों हैं? क्या जनता उनकी आरती उतारे? लोकतंत्र में बुनियादी ताकत जनता में ही निहित है, जिसका मताधिकार विधायक-सांसद चुनता है। बाद में वे सरकार में मंत्री पद हासिल करते हैं। प्रह्लाद पटेल केंद्र की मोदी सरकार में भी मंत्री थे। वहां से उन्हें राज्य की राजनीति में लाया गया। संभव है कि वह कुंठा आज भी उनके भीतर जमा हो! लोकतंत्र में चुने हुए चेहरे 'जनसेवक' कहलाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी खुद को देश का 'प्रधान सेवक' मानते हैं। उन्होंने 11 साल की सत्ता के दौरान एक बार भी जनता को 'भिखारी' करार नहीं दिया। इधर कुछ नेताओं ने बदजुबान की भाषा बोलनी शुरू कर दी है। कोई विधायक एक मतदाता की औसत कीमत 2000 रुपए आंकता है और 'वेश्या' को उससे बेहतर मानता है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा था कि आपने मुझे वोट दिया, लेकिन इसके मायने ये नहीं हैं कि आप मेरे 'बॉस' हो गए। यह कैसी राजनीतिक संस्कृति है? इधर राजनीति में मुफ्तखोरी की रेवडियां बांटने का जो चलन व्यापक होता जा रहा है, दरअसल वह एक लालच है, रिश्वत है, उसे राजनीतिक दल 'भीख' नहीं मान सकते। यदि किसी ने रेवडियों को 'भीख' करार दिया है, तो उसके लिए जिम्मेदार और दोषी भी राजनीतिक जमात है। रेवडियां बांटना उसने ही अपने स्वार्थ के मद्देनजर शुरू किया था। अब यह मुफ्तखोरी देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रही है, क्योंकि रेवडियां बांटने के लिए पैसा चाहिए और सरकारों के पास पूंजी का घोर संकट है। ऐसा कोई भी राज्य नहीं है, जिसने रेवडियां बांटने के लिए कर्ज न लिया हो। दो उदाहरण गौरतलब हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जब 'किसान सम्मान निधि' की योजना का सूत्रपात किया था, तो उसके दायरे में करीब 14 करोड़ किसान थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर करीब 8.5 करोड़ किसानों तक लुढक़ आई है। उन्हें ही 6000 रुपए सालाना की यह कथित रेवड़ी बांटी जा रही है। खुद प्रधानमंत्री रेवडियों की राजनीति के खिलाफ हैं, लेकिन भाजपा सरकारें भी कर्ज लेकर घी पिला रही हैं। ताजातरीन मामला दिल्ली अद्र्धराज्य की सरकार का है। 8 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनता को आश्वस्त किया है कि उस तारीख तक 2500 रुपए पात्र महिलाओं के खातों में जमा करा दिए जाएंगे। यह रेवड़ी बांटने पर ही सरकार को करीब 21,000 करोड़ रुपए चाहिए। दिल्ली का बजट करीब 77,000 करोड़ रुपए का है। उसमें से करीब 64,000 करोड़ रुपए वेतन, भत्तों, पेंशन आदि में खर्च हो जाते हैं।

बिहार के नवादा में विद्युत स्पर्शघात से बस पर सवार चार लोगों की मौत

नवादा (हिंस)। बिहार में नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड में बिजली का तार टूटने से बुधवार को 4 लोगों की मौत हो गई। घटना राजीव नगर के पास हुई है। सभी लोग नालंदा जिले के राजगीर से बस द्वारा गया खिजरसराय रोड की तरफ जा रहे थे। घटना उस समय हुई जब रास्ते में एक गिरे हुए पेड़ को हटाने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक बिजली का तार टूट गया। तार की चपेट में आने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि एक व्यक्ति की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सभी यात्री एक बस में सवार थे। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

भारी–भरकम सुरक्षा काफिले में विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे केजरीवाल

मालीवाल व सिरसा ने उठाए सवाल

चंडीगढ़ (हिंस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार से दस दिनों के लिए पंजाब के होशियारपुर जिले के एक केंद्र में विपश्यना के लिए शामिल हुए। विपश्यना के लिए भारी–भरकम सुरक्षा काफिले के साथ ध्यान केंद्र पहुंचे केजरीवाल को राज्य सरकार की तरफ से वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने पर राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल और दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सवाल उठाए हैं। मालीवाल ने जहां केजरीवाल के काफिले की तुलना ट्रंप के काफिले से की वहीं सिरसा ने भी कजेरीवाल को निशाने पर लिया। केजरीवाल 05 मार्च से 15 मार्च तक महिलांवाली गांव के पास आनंदगढ़ में धम्म–धज विपश्यना योग केंद्र में ध्यान करेंगे। इससे पहले भी केजरीवाल यहां आकर ध्यान योग कक्षाओं का हिस्सा बनते रहे हैं। दिल्ली में लगातार 9 साल तक सत्ता में रहने के बाद आम आदमी पार्टी को हाल ही में विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद से केजरीवाल सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं। केजरीवाल के पंजाब से राज्यसभा में जाने की अटकलें तेजी से चल रही हैं। इन सब अटकलों के बीच केजरीवाल का पंजाब आकर ध्यान केंद्र में शामिल होना, कई चर्चाओं को हवा दे रहा है। केजरीवाल के काफिले की वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर साझा करते हुए आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने लिखा कि जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया, उससे इतना डर लगता है केजरीवाल जी को। सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज खुद डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं, जो गजब है। कैसे पंजाब जैसे महान सूबे को सबने अपने ऐश–ओ–आराम के साधन का ज़रिया बना लिया है। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर कहा कि ऐसी विपश्यना का क्या फायदा जहां सादगी और आत्मचिंतन की जगह 50 गाड़ियों के काफिले में अहंकार और दिखावा हो। करोड़ों की लैंड क्रूजर, सौ से ज्यादा पुलिस कमांडो, एंबुलेंस, फायर बिग्रेड के साथ यह शांति लेने गए हैं। अरविंद केजरीवाल की ये नकली सादगी एक और नौटंकी है। यह कैसी शांति है, जिसमें पंजाब के लोगों का करोड़ों रुपये उड़ाया जा रहा है। केजरीवाल वह मसीहा बनकर निकले थे जो वैगनॉर में सवार हुए थे, सत्ता आते ही रंग बदल गए। अब विपश्यना के लिए भी सौ कमांडो चाहिए। जनता सब देख रही है।

पंजाब में 16 तहसीलदार निलंबित, 58 तहसीलदार और 177 नायब तहसीलदार का तबादला

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में राजस्व विभाग के अधिकारियों की हड़ताल के बीच सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 तहसीलदारों को निलंबित कर दिया है जबकि 235 राजस्व अधिकारियों का तबादला कर दिया है। इनमें 58 तहसीलदार तथा 177 नायब तहसीलदार शामिल हैं। सरकार ने सभी का तबादला दूर दराज के इलाकों में किया है। पंजाब में विजिलेंस ब्यूरो द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों को रिश्वत के आरोप में पकड़े जाने के बाद यह विवाद बढ़ा हुआ है। विजिलेंस की कार्रवाई का विरोध करते हुए राज्य के तहसीलदार, नायब तहसीलदार व अन्य अधिकारी शुक्रवार तक सामूहिक अवकाश पर हैं। इस बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को खुद प्रदेश की कई तहसीलों का दौरा करके वैकल्पिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री मान ने सामूहिक अवकाश पर गए अधिकारियों को मंगलवार शाम पांच बजे तक ड्यूटी पर लौटने की चेतावनी दी थी। यह समयावधि पूरी होते ही सरकार एक्शन में आ गई है। सरकार ने बुधवार को कई अधिकारी निलंबित कर दिए और बड़ी संख्या में तबादले कर दिए। कई अधिकारियों का तबादला 200 से 250 किलोमीटर तक किया गया है। 100 किलोमीटर से कम किसी को नहीं रखा गया है। सरकार किसी भी स्तर पर अपने फैसले से पीछे हटने के मूड में नहीं है। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि किसी को भी ब्लैकमेल करने का लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। वहीं, प्रबंधकीय स्तर पर यह फैसला लिया गया है।

अमृतसर से 23 किलो हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने जंडियाला के गांव देवी दासपुरा से 23 किलोग्राम हेरोइन की खेप बरामद की है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि यह खेप अमेरिका स्थित तस्कर जसप्रीत सिंह उर्फ लक्की द्वारा चलाए जा रहे तस्करी नेटवर्क से संबंधित है। उन्होंने कहा कि इस मामले में खेप प्राप्त करने वाले गांव देवी दासपुरा निवासी आरोपित साहिलप्रीत सिंह उर्फ *करन* को नामजद किया गया है। उन्होंने कहा कि कई पुलिस टीमें उसे गिरफ्तार करने के लिए सक्रियता से काम कर रही है। डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस बार्डर रेंज सतिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीमों को पुख्ता सूचना मिली थी कि साहिलप्रीत सिंह उर्फ करन ने सरहद पार से हेरोइन की एक खेप प्राप्त की है।

भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : धनखड़

झुंझुनू (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण मिलेगा। इससे नीति–निर्माण में महिलाओं की अधिक भागीदारी होगी और शासन व्यवस्था सुचारू रूप से चलेगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब वे सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ गए, तब उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वहां लड़कियां भी पढ़ेंगी। उन्होंने खुशी जाहिर की कि अब झुंझुनू के सैनिक स्कूल में भी लड़कियों का प्रवेश हो चुका है। साथ ही मथुरा में केवल लड़कियों के लिए एक सैनिक स्कूल स्थापित किया गया है। वह बुधवार को राजस्थान में झुंझुनू जिले के संगासी स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। इस दौरान उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी उपस्थित रहीं। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर भी गर्व जताया कि अब लड़कियां लड़ाकू विमान उड़ाने के साथ ही भारतीय सेना में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। झुंझुनू जिले को नारी सशक्तिकरण का प्रतीक बताते हुए उन्होंने जिले की दो महिलाओं कमला बेनीवाल और सुमित्रा सिंह का उदाहरण दिया। कहा कि कमला बेनीवाल विधायक, मंत्री और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री रही हैं, साथ ही गुजरात की राज्यपाल भी बनीं। वहीं सुमित्रा सिंह कई बार विधानसभा सदस्य रहीं, मंत्री बनीं और राजस्थान विधानसभा की अध्यक्ष भी बनीं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमने इंग्लैंड को पीछे छोड़ दिया है और जल्द ही जापान और जर्मनी को भी पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। आज का भारत वैसा ही है, जैसा प्राचीन समय में विश्व गुरु हुआ करता था। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, क्योंकि

यदि वे खुद स्वस्थ नहीं रहेंगे तो दूसरों की मदद करने के बजाय खुद को मदद मांगनी पड़ेगी। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपनी सोच को सदैव सकारात्मक व ऊंची रखें। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संघर्ष को सराहते हुए कहा कि वे जनजातीय समुदाय से आती हैं, लेकिन अपने कठिन परिश्रम के बल पर विधायक, मंत्री और राज्यपाल बनीं और अब देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं। यह ही भारतीय लोकतंत्र की सच्ची ताकत है। उपराष्ट्रपति ने बताया कि भारत में आज 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाए गए हैं और 55 करोड़ लोगों के बैंक खाते खुले हैं। उन्होंने कहा कि भारत की इंटरनेट खपत अमेरिका और चीन को मिलाकर भी ज्यादा है। साथ ही, सड़कों का जाल तेजी से फैल रहा है और नई ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। उन्होंने विद्यालय की प्रगति को लेकर खुशी जताई और प्रिंसिपल की सराहना की। कहा कि विद्यालय का सही दिशा में विकास हो रहा है और इसे और बेहतर बनाने की जरूरत है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि तीन महीने में स्कूल में एक आधुनिक कंप्यूटर लैब शुरू की जाएगी, जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। विद्यालय में शैक्षणिक संसाधनों में वृद्धि के लिए उन्होंने विद्यार्थियों के लिए एक स्मार्ट बोर्ड लगवाने की बात कही। उपराष्ट्रपति ने स्कूल के बच्चों को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया। कहा कि छोटे–छोटे समूहों में छात्रों को दिल्ली बुलाया जाएगा, जहां उनके रहने–खाने की पूरी व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान वे संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री संग्रहालय और वॉर मेमोरियल का दौरा कर सकेंगे। उन्होने स्कूली बच्चों को सिलेबस के अलावा भी किताबें पढ़ने का आग्रह किया। कहा कि स्कूल के पुस्तकालय में उनके द्वारा 1000 पुस्तक भेजी जाएंगी जो आपकी रुचि की होगी, जिनका निश्चित लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। सांगासी स्कूल के कार्यक्रम से पहले विद्यालय में उपराष्ट्रपति ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया एवं आमजन व किसानों से अपने खेतों में और घरों में पौधे लगाने की अपील की।

उल्लेखनीय कार्य करने वाली इक्कीस महिलाएं होंगी सम्मानित

जयपुर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ओरियन ग्रीन्स जयपुर की ओर से आयोजित दो दिवसीय छठे राष्ट्रीय कला महोत्सव पंचतत्व में महिला सशक्तीकरण समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें जयपुर सांसद मंजू शर्मा मुख्य अतिथि रहेंगी। वहीं मशहूर फिल्म व टीवी अभिनेत्री अमिता नांगिया बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट शिरकत करेंगी। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, श्रुति परफॉर्मेंस ट्रूप व राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) के सहयोग से 8 मार्च को आरआईसी के ऑडी 2 में समारोह होगा। ओरियन ग्रीन्स की फाउंडर व चेयरपर्सन नीता उपाध्याय ने बताया कि आंत्रप्रेन्योरशिप, शिक्षा, व्यवसाय, राजनीति, कला व साहित्य समेत अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 21 महिलाओं को इस दौरान सम्मानित किया जाएगा। इनमें संस्कृतिक एवं पर्यटन प्रकोष्ठ भाजपा, राजस्थान की सह संयोजिका शालिनी शर्मा, श्री महाराजा विनायक कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. नीलम शर्मा, शांति विद्या निकेतन की डायरेक्टर प्रभा शर्मा, महात्मा गांधी विशिष्ट विद्यालय सी–स्कीम की प्रधानाचार्य डॉ. कविता गर्ग, विंग्स टू फ्लाई स्कूल की प्रधानाचार्य नीतू शर्मा समेत अन्य महिलाओं के नाम शामिल है। इसी के साथ शाम 7 बजे श्रुति परफॉर्मेंस ट्रूप, शांतिनिकेतन पश्चिम बंगाल द्वारा *प्रकृति के रंग* नामक नृत्य प्रस्तुति होगी। प्रस्तुति की अवधारणा प्रो. डॉ. सोमनाथ सिन्हा ने तैयार की है जबकि कोरियोग्राफी प्रो. डॉ. श्रुति बंदोपाध्याय ने की है। वहीं बिंदु डावर सलूजा के क्यूरेशन में प्रदर्शनी आयोजित होगी। नीता उपाध्याय ने बताया कि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। वहीं महिला कलाकारों को मंच मिलेगा। इधर समारोह के दूसरे दिन 9 मार्च को शाम 7 बजे विलास जानवे के निर्देशन में मूकाभिनय के नवरस और वहीं शाम 7.30 बजे रेखा ठाकर के निर्देशन में ऋत गाथा बैले की प्रस्तुति होगी।

हरियाणा सरकार करेगी 100 लॉ अधिकारियों की नियुक्ति

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार प्रदेश में 100 लॉ अधिकारियों की नियुक्ति करेगी। एडवोकेट जनरल (एजी) कार्यालय के अंतर्गत इनकी नियुक्ति होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता परमिंद्र सिंह चौहान को सरकार पहले ही एडवोकेट जनरल (एजी) लगा चुकी है। उन्हें बलदेव राज महाजन की जगह लगाया गया है। बलदेव राज महाजन लगभग दस वर्षों तक हरियाणा के एजी रहे। हरियाणा की गृह सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बुधवार को लॉ अधिकारियों की भर्ती को लेकर स्क्रूटनी कमेटी (छंटनी समिति) का गठन किया है। लॉ अधिकारियों के लिए आने वाले आवेदनों की छंटनी करके कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी। गृह विभाग की सचिव– ।गीता भारती (आईएएस) को छंटनी कमेटी का चेयरपर्सन नियुक्त किया है। उनके साथ एजी ऑफिस के प्रतिनिधि के तौर पर एडिशनल एडवोकेट जनरल अंकुर मित्तल को बतौर सदस्य कमेटी में शामिल किया है। कमेटी में एचसीएस अधिकारी व गृह विभाग में संयुक्त सचिव राधिका सिंह तथा एलआर डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि के तौर पर डिप्टी एलआर राजेश कुमार को भी कमेटी में सदस्य बनाया है। हरियाणा में जिन 100 लॉ अधिकारियों की नियुक्ति होनी है, उनमें 20 पद एडिशनल एडवोकेट जनरल (एएजी) के होंगे। इसी तरह से 20 सीनियर डिप्टी एजी, 30 डिप्टी एजी और 20 असिस्टेंट एडवोकेट जनरल लगाए जाएंगे। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के अलावा सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा सरकार की ओर से पैरवी करने के लिए इन लॉ अधिकारियों की नियुक्ति होगी। लॉ अधिकारियों की नियुक्ति के लिए नियम एवं शर्तें तय की हुई हैं।

महिला को ब्लैकमेल करने वाला फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला को ब्लैकमेल करने वाले एक फर्जी पत्रकार को गिरफ्तार किया हैं। रेलवे स्टेशन पर आरोपी एक महिला को परेशान कर रहा था और इसी दौरान निर्भया की टीम मौके पर पहुंची। जहां निर्भया टीम को महिला ने आरोपी के बारे में बताया कि वह उसे नहीं जानती कई समय से वह उसे परेशान कर रहा हैं। जिस पर निर्भया ने आरोपी को डिटेन किया और सदर थाने लेकर पुलिस को सौंपा। जहां आरोपी ने खुद को पत्रकार बताया और उसके दस्तावेजों की जांच की गई तो आरोपी के पास फर्जी दस्तावेज मिले। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि जयपुर कमिश्नर और निर्भया की नोडल प्रभारी के दिशा निर्देशन में जयपुर पुलिस की निर्भया की सिविल टीम महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन गरिमा अभियान के तहत लगातार राउंड पर रहती है। बुधवार को भी टीम सदर थाना इलाके में राउंड क रही थी। इस दौरान रेलवे स्टेशन के पास टीम रुकी तो एक महिला युवक को कुछ

कह रही थी। इस पर जब महिला से बात की तो उसने बताया कि पाली जिले के रोहट के आदर्श नगर में रहने वाला कमलेश कुमार उसे परेशान कर ब्लैकमेल कर रहा है। वह उसे साथ चलने का कह रहा है जबकि वह उसे जानती भी नहीं है। इस पर टीम ने युवक को पकड़ा और पूछताछ की तो वह अपने अपने आप को पत्रकार बताने लगा और धमकाया कि उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते हो। इस पर टीम उसे थाने लेकर आई और पूछताछ की। दस्तोवज देखने पर पता चला कि वह फर्जी पत्रकार निकला।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेशभर में *मिशन शक्ति मेला* लगाएगी सरकार

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा को नए आयाम देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) को प्रदेश के 75 जिलों में मिशन शक्ति का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन न केवल महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और शिक्षा को बढ़ावा देगा, बल्कि जमीनी स्तर पर बालिकाओं की आत्मरक्षा, जीवन कौशल और नेतृत्व क्षमता को भी सशक्त करेगा। जिला प्रशासन के निर्देशन तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में इस आयोजन को किया जाएगा। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के प्रबुद्धजनों की भागीदारी भी

सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिकाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से मीना मंच एवं मिशन शक्ति से जुड़े प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक बालिकाएं एवं महिलाएं लाभान्वित हो सकें। बेसिक शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विशेष आयोजन की शुरुआत मिशन शक्ति मेला एवं मीना मंच स्टाल के अवलोकन से होगी, जहां विभिन्न विकास खंडों में स्थापित स्टालों का निरीक्षण किया जाएगा। योगी सरकार ने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए इस कार्यक्रम में मिशन शक्ति, आत्मरक्षा एवं मीना मंच के तहत चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। इसमें सेल्फ एस्टीम, जीवन कौशल शिक्षा एवं बाल–संसद जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जिला समन्वयक बालिका शिक्षा एवं जनपद नोडल विस्तृत जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के समापन चरण में सभी विकास खंडों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की जाएगी, जिसका नेतृत्व जिला समन्वयक बालिका शिक्षा करेंगे। इसके बाद सभी ब्लॉक नोडल एवं जिला नोडल का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक बालिका शिक्षा द्वारा संपन्न किया जाएगा।

सरकार रावी–व्यास नदियों से हमारे हिस्से का पूरा पानी लेने के लिए कर रही प्रयास

जयपुर (हिंस)। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा रावी–व्यास नदियों के अधिशेष जल में से राज्य के हिस्से का शेष 0.60 एमएएफ पानी प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय में इस संबंध में दायर मुकदमे की प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रमजीत बनर्जी, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ इण्डिया को नियुक्त किया गया है। जल संसाधन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि रावी–व्यास नदियों के अधिशेष पानी के बंटवारे के बारे में पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के मध्य 31 दिसंबर 1981 को समझौता हुआ था। समझौते के तहत राजस्थान को 8.60 एमएएफ पानी निर्धारित किया गया। वर्तमान में इसमें से 8.00 एमएएफ पानी राज्य को मिल रहा है। रावत ने आश्वस्त किया कि राज्य के हिस्से का पूरा जल लेने के संबंध में राज्य का पक्ष रखने के लिए भाखड़ा ब्यास प्रबंधन मंडल में एक प्रतिनिधि नियुक्त करने के प्रयास किए जाएंगे। साथ ही एसीएस स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करने पर भी विचार किया जाएगा। विधायक कालीचरण सराफ के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जल संसाधन मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा राज्य के हिस्से का शेष 0.60 एमएएफ पानी राजस्थान को देने के लिए भारत सरकार, पंजाब सरकार तथा भाखड़ा ब्यास प्रबंधन मंडल से लगातार अनुरोध किया गया तथा उत्तर क्षेत्रीय परिषद की बैठकों में भी लगातार यह मुद्दा उठाया गया। राजस्थान द्वारा 0.60 एमएएफ रावी–व्यास पानी बहाली के लिये सर्वोच्च न्यायालय में एक मूल सूट नं. 6/2020 दायर किया, जो कि 26 जुलाई 2024 को सर्वोच्च न्यायालय में सूचीबद्ध हुआ था। उन्होंने गत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण सदन में प्रस्तुत किया। रावत ने कहा कि सरकार प्रदेश के हिस्से का शेष 0.60 एमएएफ पानी प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत है। मुख्य सचिव राजस्थान द्वारा उत्तर क्षेत्रीय परिषद की स्टैंडिंग कमेटी की 25 अक्तूबर 2024 को आहूत 21वीं बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन राजस्थान द्वारा दिनांक 27 फरवरी 2025 को इस बाबत सचिव जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार को पत्र भी लिखा गया है।

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा अत्याचार दलितों पर हो रहा : तनुज पुनिया

लखनऊ (हिंस)। प्रदेश में लगातार दलितों के खिलाफ बढ़ते उत्पीड़न व अपराधों को लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन सांसद तनुज पुनिया ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेस की। तनुज पुनिया ने कहा कि प्रदेश में दलितों के खिलाफ बर्बरता बढ़ती जा रही है। सच तो यह है कि योगी सरकार में दलित होना अपराध हो गया है। एनसीआरबी के हालिया आंकड़े जो दिसंबर 2023 में आए थे, उनके मुताबिक पूरे देश में दलितों के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध के मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गये। वर्ष 2022 में अनुसूचित जातियों के लिए कानून के तहत 51656 मामलों में से, यूपी में 12287 मामले दर्ज हुए थे। चेयरमैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलितों के खिलाफ जो जघन्य अपराध हो रहे हैं वे तो न सिर्फ बदस्तूर जारी हैं, बल्कि बढ़ते जा रहे हैं और दुर्भाग्य देखिए कि जो सामाजिक अपराध होने बंद हो चुके थे, वह इस सरकार में पुन: होने लगे हैं। उन्होंने मेरठ की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि कालिंदी गांव में एक मार्च 2025 को गांव की ठाकुर बिरादरी के दबंगों द्वारा दलित की बारात पर हमला किया गया। दूल्हे के भाई संदीप को पीटा गया, दूल्हे को अपमानित कर सोने की अंगूठी, ब्रेसलेट और कैश लूट लिया गया। दबंग भाजपा की झंडा लगी हुई गाड़ी से आए थे, जो बरातियों में से कई लोगों को अपमानित और घायल कर गए। गांव में एक माह पहले भी प्रजापति परिवार की बारात के लोगों को भी दबंगों द्वारा पीटा गया था। तनुज ने पत्रकार से कहा कि भाजपा के शासनकाल में एक तरफ जहां दलित अपनी राजी–रोटी के लिए परेशान हैं वहीं दूसरी तरफ संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण पर भी इस सरकार की कुदृष्टि है।

संदिग्ध आतंकी पकड़े जाने के बाद श्रीराम जन्मभूमि प्रशासन अलर्ट

अयोध्या (हिंस)। श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर हमले की फिराक में पिछले दिनों हरियाणा के फरीदाबाद से पकड़े गए संदिग्ध आतंकी के मामले को लेकर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। रामलला की सुरक्षा को लेकर राम जन्मभूमि प्रशासन को अलर्ट मोड में रखा गया है। पुलिस अधीक्षक सुरक्षा बलरामाचारी दुबे द्वारा सभी प्रवेश द्वार और निकास द्वार पर बुधवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहतराम जन्मभूमि परिसर के आसपास भी खड़े लोगों से पूछताछ की गई। साथ ही अनावश्यक रूप से खड़े लोगों की तलाशी की गई। सुरक्षा को लेकर व्यापक स्तर पर सावधानी बरती जा रही है, राम जन्मभूमि परिसर में सभी सुरक्षा वालों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। एसपी सुरक्षा ने स्वयं राम जन्मभूमि के क्रॉसिंग टू राम जन्मभूमि का दर्शन मार्ग, अमावा मंदिर, गेट नंबर 3 और अंगद टीला निकास द्वार के साथ वेद मंदिर क्रॉसिंग पर जांच भी किया। मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार के हर जिले में जन सुराज उद्घोष यात्रा के बाद फिर शुरू होगी पदयात्रा : प्रशांत किशोर

बेतिया (हिंस)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर जन सुराज उदघोष यात्रा के तहत 5 मार्च को पश्चिम चंपारण पहुंचे। जहां उन्होंने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी, कि वह पदयात्रा शुरू करने से पहले संगठन के लोगों की इच्छा थी कि हर जिले में उनकी अगुवाई में राजनीतिक बैठक और आमसभा की जाए। जिसके बाद फिर से पदयात्रा शुरू की जाएगी। प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल में राजग की तरफ से मुख्यमंत्री चेहरा कौन हो सकता है। इस पर प्रशांत किशोर ने कहा कि मोदी जी बिहार आने पर नीतीश जी को बिहार का लाडला मुख्यमंत्री बता रहें थे। पीके ने कहा कि मैं मोदी जी से अपील करता हूं, अगली बार बिहार आएं तो उन्हें यह घोषणा करनी चाहिए कि यही लाडले व्यक्ति अगले 5 वर्ष भी मुख्यमंत्री रहेंगे। यह घोषणा करने पर भाजपा को चम्पारण में एक–एक सीट पर हार का सामना करना पड़ेगा। भाजपाई नीतीश कुमार को खाली मुखौटा बना कर वोट लेना चाहते हैं, चुनाव जीतने के बाद इसबार नीतीश कुमार को हटा कर अपना मुख्यमंत्री बनाएंगे। नीतीश कुमार के पलटी मारने की अटकलों पर प्रशांत किशोर ने कहा नीतीश जी में इतना दम नहीं है कि पलटी मार लें, वह चुनाव जीतने के बाद पलटी मारते हैं। नीतीश कुमार ने 2015 के अलावा

अपने पूरे जीवन में भाजपा के बगैर चुनाव नहीं लड़ा हैं, वह लड़ते ही हैं भाजपा के ताकत, पैसे, और संगठन के भरोसे हैं। उनके पास इतनी हिम्मत नहीं है कि वह अकेले चुनाव लड़ लें। उनका इतिहास है चुनाव लड़ने के बाद पलटी मारने का। लेकिन इस बार जनता भी मन बनाकर बैठी है कि उनके दल को इतनी कम सीटें आएंगी कि उनके किसी तरफ पलटने का कोई फायदा नहीं होगा। वह मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले हैं। प्रशांत किशोर ने बिहार सरकार के बजट को निराशाजनक बताते हुए इसे छलावा करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट पिछले 18–19 वर्षों से एक जैसा है, जिसमें न तो प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने की योजना है और न ही पलायन रोकने की। शिक्षा सुधार, रोजगार और उद्योग स्थापना पर भी कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। पीके ने सवाल उठाया कि बिना ठोस नीति के बिहार की स्थिति में कैसे सुधार आएगा ?

क्रेडिट कार्ड से खर्च जनवरी में 14 फीसदी से बढ़कर 1.84 लाख करोड़ हुआ

मुंबई

भारत में क्रेडिट कार्ड के जरिए होने वाला खर्च जनवरी में बढ़कर 1,84,100 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें सालाना आधार पर 14 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल क्रेडिट कार्ड की लेनदेन की वॉल्यूम जनवरी 2025 में 43 करोड़ रही है। इसमें सालाना आधार पर 31 फीसदी की वृद्धि हुई है।

हालांकि मासिक आधार पर एक फीसदी की मामूली गिरावट हुई है। इसकी वजह दिसंबर 2024 का उच्च आधार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लेनदेन की मात्रा में गिरावट का कारण धोखाधड़ी के कारण बढ़ी हुई सतर्कता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नए कार्ड डिस्पैच, कार्ड खर्च और प्रति कार्ड लेनदेन के मामले में उद्योग स्तर पर क्रेडिट कार्ड डेटा में कमी आई है, लेकिन एचडीएफसी और एसबीआई जैसे प्रमुख बैंकों के कार्ड डिस्पैच देखे गए हैं और इसके परिणामस्वरूप बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि आउटस्टैंडिंग क्रेडिट कार्ड की संख्या जनवरी में 10.9 करोड़ रही। दिसंबर 2024 के मुकाबले इसमें 12 लाख की कमी आई है। प्रति कार्ड औसत खर्च भी मासिक आधार पर एक फीसदी गिरकर 16,911 रुपए हो गया है। हालांकि, इसमें सालाना आधार पर मामूली एक फीसदी का इजाफा हुआ है।

हर लेनदेन का औसत आकार सालाना आधार पर 15 फीसदी घटकर 4,282 रुपए रह गया, जो कि ग्राहकों के बदलते व्यवहार और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों को दिखाता है। अग्रणी बैंकों ने क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना जारी रखा। एचडीएफसी बैंक ने आक्रामक ग्राहक अधिग्रहण रणनीतियों के माध्यम से पिछले साल की तुलना में अपनी बाजार हिस्सेदारी 20.2 फीसदी से बढ़ाकर 21.5 फीसदी कर ली है।

एसबीआई ने बाजार हिस्सेदारी में गिरावट से उबरते हुए अकेले जनवरी में 2,40,000 नए कार्ड जोड़े हैं और कंपनी का मार्केट शेयर 18.8 फीसदी पर पहुंच गया है। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हिस्सेदारी 16.3 फीसदी से बढ़कर 16.6 फीसदी हो गई है। इस महीने की एक प्रमुख विशेषता यह रही कि आरबीआई ने फरवरी 2025 में कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड जारी करने पर 10 महीने के प्रतिबंध को हटा दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि लेनदेन की मात्रा और खर्च में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद, क्रेडिट कार्ड उद्योग ने मजबूत दीर्घकालिक विकास प्रदर्शित करना जारी है।

न्यूज़ ब्रीफ

चीन ने 3000 साल पुरानी बुनाई तकनीक से स्टील्थ विमानों की कमजोरी दूर की

बीजिंग। चीन ने 3,000 साल पुरानी रेशम बुनाई तकनीक का उपयोग करके स्टील्थ लड़ाकू विमानों की रडार-शोषक कोटिंग को मजबूत करने में सफलता हासिल की है। इस तकनीक से विमान की स्टील्थ कोटिंग में आने वाली दरारों को ठीक किया जा सकता है, जिससे उसकी रडार से बचने की क्षमता बनी रहती है। वहीं अमेरिका अपने एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ विमानों की कोटिंग के क्षरण की समस्या से जूझ रहा है, जिससे विमान की स्टील्थ क्षमता प्रभावित होती है। स्टील्थ विमानों में इस्तेमाल होने वाली कोटिंग की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह तेज गति, उच्च वायुगतिकीय दबाव, रेगिस्तानी तूफानों और नमी के कारण जल्दी खराब हो जाती है। अमेरिका के लड़ाकू विमानों में हर तीन सप्ताह में इस कोटिंग को दोबारा लगाना पड़ता है, जिससे प्रति उड़ान घंटे 60,000 डॉलर तक की लागत आती है। वहीं चीन का दावा है कि उसने इस समस्या का समाधान प्राचीन बुनाई तकनीक के माध्यम से खोज लिया है। चीनी एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन और तियांगोंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने हान राजवंश (206 ईसा पूर्व-220 ईस्वी) की जैक्कार्ड बुनाई तकनीक से प्रेरित एक दोहरे परत वाले मिश्रित कपड़े का विकास किया है। इस कपड़े में ताना-बुनी गई प्रवाहकीय धागों की संरचना है, जो 8-26 जीएसजेड स्पेक्ट्रम की 90.6 फीसदी रडार तरंगों को अवशोषित कर सकती है। यह पारंपरिक कोटिंग की तुलना में अधिक प्रभावी है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बीमा प्रीमियम में 10 फीसदी की वृद्धि पर रोक

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने जारी किया एक परिपत्र, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि पर रोक लगाई गई है। 30 जनवरी, 2025 को जारी इस निर्देश के अनुसार कोई भी बीमा कंपनी 10 फीसदी से अधिक प्रीमियम वृद्धि नहीं कर सकेगी, और अगर वृद्धि करनी हो तो पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की वृद्धि को लेकर चिंता करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह निर्देश एक सकारात्मक कदम है। नियामक द्वारा निर्धारित सीमा का पालन करने से उन्हें सुरक्षित महसूस होगा कि उनका प्रीमियम विचारशीलता से निर्धारित है। बीमा कंपनियों को भी इस नए निर्देश का पालन करना होगा और वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें स्थिरता और विश्वसनीयता के साथ काम करना होगा। इस निर्देश की मान्यता से बीमा कंपनियों को ग्राहकों का भरोसा भी मिलेगा और इससे वरिष्ठ नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस निर्देश से स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तैराकी और उन्हें खरीदने की ऊर्जा बढ़ेगी। वरिष्ठ नागरिकों को अपने इस खर्च के लिए टेंशन नहीं लेनी पड़ेगी और भविष्य की योजनाएं बनाना और अनुकूलित करने में उन्हें आसानी होगी।

टाटा मोटर्स ने शुरू किया हाइड्रोजन ट्रकों का ट्रायल, 24 महीने तक परखी जाएगी क्षमता

नई दिल्ली। वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के भारत के दृष्टिकोण की दिशा में सहायक भारत की प्रमुख वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने ट्रकों का पहली बार परीक्षण शुरू किया है। परीक्षण का यह दौर 24 महीने तक चलेगा और इसमें विभिन्न कॉन्फिगुरेशन और पेलोड क्षमताओं वाले 16 एडवांस्ड हाइड्रोजन-संचालित वाहनों का निर्माण शामिल है। ये वाहन नए जमाने के हाइड्रोजन पेट्रोल-डीजल इंजन (एच2-आईसीई) और फ्यूल सेल (एच2-एफसीईवी) प्रौद्योगिकियों से संपन्न होंगे और इनका भारत के बेहद प्रमुख ढुलाई मार्गों पर परीक्षण किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वड़ोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस ट्रायल को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है जिसमें उत्सर्जन को कम करते हुए और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हुए भारत के परिवहन क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है। इस तरह की पहल से बड़े ट्रकों की गतिविधियों में बदलाव आएगा और हम एक कुशल, कम कार्बन वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ने में सक्षम होंगे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। टैरिफ वॉर की चिंता को लेकर अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान गिरावट का रुख बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

टैरिफ वॉर को लेकर बनी आशंका के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 700 अंक टूट कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.22 प्रतिशत टूट कर 5,778.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,288.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 273.30 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,794.29 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोप में भी पिछले सत्र के दौरान टैरिफ वॉर का डर बना रहा। इस डर की वजह से यूरोपीय बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। एफटीएसई इंडेक्स 112.31 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,759 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 151.79 यानी 1.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,047.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 820.21 अंक यानी 3.67 प्रतिशत लुढ़क कर 22,326.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में लगातार खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 195 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,341 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,903.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 155.61 अंक यानी 2.44 प्रतिशत उछल कर 6,536.01 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 377.68 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,319.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 323.82 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,920.70 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.27 प्रतिशत उछल कर 1,192.63 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,555.52 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 261.09 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,592.27 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की छलांग लगाकर 3,334.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ओला ने अपने कर्मचारियों के लिए नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली शुरू की

नई दिल्ली

ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने अपनी कंपनियों के कर्मचारियों के लिए एक नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की है। क्या चल रहा है नामक इस पहल के तहत, कर्मचारियों को हर हफ्ते अपने द्वारा पूरे किए गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा। यह रिपोर्ट कंपनी के ईमेल पते और उनके प्रबंधकों को भेजी जाएगी। इंटरनल ईमेल में कहा गया कि से हम 'क्या चल रहा है' शुरू कर रहे हैं, ताकि कर्मचारी सीधे मुझे और अपने प्रबंधकों को अपने साप्ताहिक अपडेट साझा कर सकें।

हर हफ्ते अपने द्वारा गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा

इसमें आगे बताया गया कि सभी को क्या चल रहा है... वेबसाइट पर अपने अपडेट भेजने होंगे। रिपोर्ट की समयसीमा अगले दिन तय की गई, जबकि भविष्य में इसे हर रविवार को जमा करना अनिवार्य होगा। यह पहल ऐसे समय में आई है जब ओला अपने खर्चों में कटौती और मुनाफा बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओला इलेक्ट्रिक 1,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है, जो पांच महीनों में दूसरा बड़ा कटौती अभियान होगा। इससे खरीद, ग्राहक संबंध और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विभाग प्रभावित होंगे।

इस नई रिपोर्टिंग प्रणाली को एलन मस्क की हाल ही में पेश की गई नीति से जोड़ा जा रहा है, जिसमें उन्होंने यूएस फेडरल कर्मचारियों को साप्ताहिक उपलब्धि रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। मस्क की इस नीति का उद्देश्य सरकारी कार्यों में जवाबदेही बढ़ाना था, हालांकि इसे कर्मचारियों के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव डालने के लिए आलोचना भी झेलनी पड़ी। भाविश अग्रवाल इससे पहले भी कर्मचारियों की परफॉर्मेंस को लेकर सख्त रुख अपना चुके हैं। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने एक इंटरनल ईमेल के जरिए खराब उपस्थिति पर कर्मचारियों को चेतावनी दी थी।

एडटेक कंपनी बैजूस के संस्थापक पर भारी कानूनी जोखिम

अमेरिकी न्यायालय द्वारा भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के आरोपों में फैसला सुनाते हुए, बैजू रवींद्रन को कानूनी जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। बैजूस की मूल कंपनी के खिलाफ जारी आदेश ने पूर्ण व्यापकता में इस विवाद को अभियंत्रित किया है। अमेरिका में चल रहे मामले ने उद्योग और कानूनी समुदाय को हिला दिया है। अब इस मामले में रुचि लेने के बाद आगे की जांच का इंतजार है, जिसमें बैजू रवींद्रन और उसके सहयोगियों को गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में आईपीसी की धारा 420 के तहत आरोपों का सामना करने की संभावना है, जिससे रवींद्रन और उसके समर्थकों की स्थिति औरभी ज्यादा कठिन हो सकती है। कानूनी विशेषज्ञों और सूत्रों का मानना है कि इस मामले में संभावित उल्लंघन और गलताकारी के दृश्यांकों के साथ-साथ जादूगरी वित्तीय योजनाओं का भी पर्दाफाश हो सकता है।

जियो ने एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एआई प्लेटफॉर्म बनाया

नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। जियो प्लेटफॉर्म्स ने स्वामित्व वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एक ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म बनाया है, जिससे प्रौद्योगिकी लागत को कम करने के साथ-साथ नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद है।

एक संयुक्त बयान में कहा गया कि मल्टी-डोमेन इंटेलिजेंस फ्रेमवर्क नेटवर्क संचालन की हर परत में कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन को एकीकृत करेगा। रिलायंस जियो के समूह एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बयान में कहा कि एएमडी, सिस्को और नोकिया के सहयोग से जियो ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ा रहा है ताकि नेटवर्क को स्व-अनुकूलित, ग्राहक-जागरूक पारिस्थितिकी तंत्र में बदल दिया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वचालन से कहीं आगे एआई-संचालित, स्वायत्त नेटवर्क को सक्षम करने के बारे में है जो वास्तविक समय में अनुकूलन करते हैं, उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाते हैं, और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में नई सेवा और राजस्व के अवसर पैदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि एआई प्लेटफॉर्म एक बड़े भाषा मॉडलसे स्वतंत्र होगा और अपनी कार्यक्षमता और क्षमताओं को अनुकूलित करने के लिए एक खुले एप्लिकेशन इंटरफेस का उपयोग करेगा।

भारत को निवेश-अनुकूल माहौल बनाने नियामकीय ढांचे की जरूरत: शीर्ष आर्थिक सलाहकार

अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील

नई दिल्ली

भारतीय आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने देश के लिए निवेश-अनुकूल माहौल बनाने के लिए एक आधुनिक और प्रभावी नियामकीय ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया है। वैश्विक आर्थिक दबावों के कारण विदेशी निवेश पर हुई गिरावट को देखते हुए उन्होंने सरकार से नीतिगत सुधारों की मांग की है। नागेश्वरन ने बजट के बाद आयोजित वेबिनार में बताया कि भारत अब एक आकर्षक निवेश गंतव्य बन रहा है, लेकिन इसके लिए नियामकीय स्पष्टता और व्यापार संचालन को सरल बनाने की जरूरत है। उन्होंने अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील की है। इससे पहले भी सरकार ने एफडीआई नीति में सुधार की घोषणा की थी, जिसमें बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने की प्रस्तावना शामिल है। यह कदम नवाचार और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में देश की आउटवर्ड एफडीआई प्रतिबद्धताएं करीब 2.28 बिलियन कम हो गई हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में हैरान करने वाली है। यह स्थिति दिखाती है कि नवीन और स्पष्ट नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। नागेश्वरन ने कहा कि भारत को आपसी निवेश बढ़ाने और नए व्यापारिक अवसरों को उद्घाटन करने के लिए रचनात्मक आशावाद को बनाए रखना होगा। यह न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा बल्कि आर्थिक विकास में भी मदद करेगा।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। सोने के भाव में 720 रुपये से लेकर 780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये से लेकर 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये से लेकर 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है।

स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में 73 रनों की पारी भी खेली, लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया को जीत नहीं दिला पाए और टीम को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल स्मिथ टेस्ट और टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे।

अपने वनडे करियर को अलविदा कहते हुए स्मिथ ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी बयान में कहा कि यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने हर पल का आनंद लिया। दो विश्व कप जीतना अविश्वसनीय अनुभव था। अब 2027 विश्व कप की तैयारी शुरू करने का सही समय है, इसलिए मुझे लगता है कि यह वनडे से संन्यास लेने का उपयुक्त अवसर है।

उन्होंने आगे कहा कि टेस्ट क्रिकेट अभी भी मेरी प्राथमिकता है और मैं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल, वेस्टइंडीज दौरे और फिर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज को लेकर उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मेरे पास अभी भी इस प्रारूप में देने के लिए बहुत कुछ है। स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल एकदिवीय खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर के रूप में अपना वनडे डेब्यू किया था। बाद में वह टीम के प्रमुख बल्लेबाज बन गए। अपने वनडे करियर में उन्होंने 170 मैचों में 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 28 विकेट भी हासिल किए। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 की विश्व कप विजेता टीमों का अहम हिस्सा रहे। उन्होंने 64 वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी।

न्यूज ब्रीफ

रोहित आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अब आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने गये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में रोहित ने छक्का लगाने के साथ ही ये उपलब्धि अपने नाम की। रोहित के नाम अब 65 छक्के हो गये हैं और उन्होंने इसी के साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 64 छक्के का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। अंतरराष्ट्रीय इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी प्रारुपों में भी सबसे ज्यादा छक्के रोहित के नाम हैं। उन्होंने 633 छक्के लगाये हैं जबकि गेल के नाम पर 533 छक्के हैं जबकि पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी 467 छक्के लगाकर तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम 398 छक्के लगाकर चौथे व न्यूजीलैंड के ही मार्टिन गुप्टिल 398 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं। वहीं एकदिवसीय में सबसे अधिक 351 छक्के पाक के शाहिद अफरीदी के नाम हैं जबकि भारत के रोहित के नाम 341 छक्के और वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 331 छक्के हैं।

वरुण वापसी के बाद मानसिक रुप से मजबूत हुए : सूर्यकुमार

मुंबई। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर चर्चित वरुण चक्रवर्ती की जमकर प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने कहा कि खेल में वापसी के बाद वह अलग प्रकार के खिलाड़ी के तौर पर उभरे है। इसका कारण है कि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गये हैं। यही कारण है कि वह तनाव में नहीं दिखते। वरुण ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए दोनो ही मैचों में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो विकेट लिए। सूर्या ने कहा कि जिस प्रकार से उसने वापसी की है। उसमें दो अलग-अलग वरुण नजर आते हैं। अब वह पहले से अधिक मानसिक रुप से परिपक्व दिखता है। यही कारण है कि मैदान में कैसे भी हालात हों उसके चेहरे पर मुस्कान बनी रहती है। वह हर स्थिति को सहज रुप से लेता है। किसी भी खिलाड़ी के लिए ये सकारात्मक बात है।

आईपीएल में इस बार आईसीसी नियमों के अनुसार मिलेगी सजा

मुम्बई। अगले माह होने वाले आईपीएल 2025 में अनुशासन तोड़ना अब खिलाड़ियों को भारी पड़ेगा। इस बार टीमों में काफी बदलाव भी देखने को मिलेगा। कई टीमों ने कप्तान तक बदले हैं। पिछली बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी जबकि पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे आईपीएल प्रबंधन ने मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन से जुड़े कई नियम अब पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। अब आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की आचार संहिता का पालन किया जाएगा। गर्वनिंग काउंसिल की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया। इसके तहत लेवल 1,2 और 3 के उल्लंघन पर खिलाड़ियों को आईसीसी के नियमों के मुताबिक सजा दी जाएगी। पहले लीग के अपने नियम होते थे, लेकिन अब आईसीसी द्वारा निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाएगा। आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 21 मार्च से होगा। यानी इस दिन टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा।

बीजिंग हाफ मैराथन में दौड़ेंगे ह्यूमनॉइड रोबोट

बीजिंग

इस साल अप्रैल में होने वाले बीजिंग हॉफ मैराथन में मानवरूपी (ह्यूमनॉइड) रोबोट हिस्सा लेंगे, जबकि अगस्त में ह्यूमनॉइड रोबोट खेल प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। यह जानकारी बीजिंग नगर सरकार के सूचना कार्यालय द्वारा मंगलवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी गई।

यह हाफ मैराथन बीजिंग के दक्षिण-पूर्व में स्थित बीजिंग आर्थिक-तकनीकी विकास क्षेत्र में 13 अप्रैल को होगी। इस प्रतियोगिता में रोबोट और मानव एथलीट एक ही मार्ग पर दौड़ेंगे, लेकिन रोबोटों के लिए अलग ट्रैक निर्धारित किया जाएगा।

इन ट्रैकों को बैरियर या ग्रीन बेल्ट से सुरक्षित किया जाएगा, जिससे मानव और रोबोट दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रतियोगिता के लिए रोबोटों के लिए अधिकतम समय सीमा 3 घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है। इस दौरान टीमें बैटरी बदलने या रिले फॉर्मेट में रोबोट बदलने की अनुमति प्राप्त करेंगी। अंतिम मूल्यांकन में समय और प्रतिस्थापन की संख्या को ध्यान में रखा जाएगा, जहां प्रत्येक प्रतिस्थापन पर 10 मिनट का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा।

प्रतिभागी रोबोटों को ह्यूमनॉइड डिजाइन का होना आवश्यक है और वे केवल द्विपाद चाल (बाइपेडल वॉकिंग या रनिंग) में सक्षम होने चाहिए। पहिएदार रोबोटों को इस प्रतियोगिता में अनुमति नहीं होगी। नियंत्रण विधियों में मैनुअल रिमोट कंट्रोल (अर्ध-स्वायत्त सहित) या पूर्ण स्वायत्त संचालन शामिल हो सकते हैं। टीमें यह सुनिश्चित करेंगी कि उनके रोबोट ट्रैक, अन्य रोबोटों या आसपास के लोगों को नुकसान न पहुँचाएं और वे निर्दिष्ट मार्ग और सभी तकनीकी नियमों का पालन करें।

प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाले रोबोट को क्रमशः 5,000, 4,000 और 3,000 युआन (लगभग 697, 558 और 418 अमेरिकी डॉलर) का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, अन्य विशेष पुरस्कार जैसे कम्प्लीशन अवॉर्ड, बेस्ट एंड्योरेंस अवॉर्ड और मोस्ट क्रिएटिव डिज़ाइन अवॉर्ड भी प्रदान किए जाएंगे। ह्यूमनॉइड रोबोट विकास टीमों को भी विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा।

यह प्रतियोगिता वैश्विक रोबोट कंपनियों, शोध संस्थानों, रोबोट क्लबों और विश्वविद्यालयों के लिए खुली है।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरु होगा

गुलमर्ग। जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडटल्यूजी) 2025 के दूसरे चरण का आयोजन अब नये कार्यक्रम के अनुसार इसी माह नौ से 12 मार्च तक होगा। पहले ये खेल फरवरी में रखे गये थे पर कम बर्फबारी के कारण तब इनका आयोजन टाल दिया गया था। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उसने नौ से 12 मार्च तक खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 की मेजबानी की पूरी तैयारी कर ली है। इस टूर्नामेंट में देशभर के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे। यह शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण है जहां स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। वहीं इससे पहले खेलों का पहला चरण इसी साल जनवरी में लद्दाख के लेह जिले में आयोजित किया गया था जहां आइस-स्केटिंग और आइस-हॉकी स्पर्धाओं का आयोजन हुआ था।

गौरतलब है कि चीन में रोबोटिक्स उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। मजबूत पूंजी निवेश से इस क्षेत्र को निरंतर प्रगति मिल रही है और इसका उपयोग उद्योगों, स्वास्थ्य सेवा और सेवा क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। शंघाई में आयोजित 2024 वर्ल्ड एआई कॉन्फ्रेंस में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में चीन का ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार लगभग 2.76 बिलियन युआन का था। यह 2029 तक बढ़कर 75 बिलियन युआन तक पहुँचने की उम्मीद है, जो वैश्विक बाजार का 32.7 प्रतिशत होगा।

अ.भा. गोल्डकप फुटबॉल स्पर्धा : केरला ने पहले मैच में बिखेरा जलवा ; रायसेन की दमदार जीत

इन्दौर

सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में आयोजित प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति अ.भा. मोयरा गोल्ड कप फुटबॉल स्पर्धा में साई त्रिवेंद्रम केरला ने अपनी ख्याती के अनुरूप दमदार प्रदर्शन करते हुए इन्दौर की अन्य टीम यंग आदिवासी क्लब को 3-0 से पराजित कर दिया। दूसरे मैच में बिल्डप क्लब रायसेन को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा और उसने डायमंड रॉक बालाघाट को 1 मात्र गोल के अंतर से पराजित किया। स्पर्धा अध्यक्ष रमेश मूलचंदानी, स्पर्धा सचिव संजय लुणावत व स्पर्धा संयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि नेहरू स्टेडियम के आकर्षक मैदान पर खेली जा रही इस स्पर्धा में मंगलवार को पहला मैच साई त्रिवेंद्रम केरला व यंग आदिवासी इन्दौर के मध्य खेला गया। इस मैच के हीरो विक्रम रहे, जिन्होंने 5वें तथा 55वें मिनट में 2 गोल दागे और केरल को मैच की शुरुआत से ही मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया । केरल के लिए तीसरा गोल राजकुमार सिहं के नाम रहा । उन्होंने मैच के 40वें मिनट में तीन खिलाड़ियों को छकाते हुए गेंद को जालियों में समा दिया। पहले दौर में दमदार प्रदर्शन करने वाली यंग आदिवासी का प्रदर्शन बिखरा-बिखरा नजर आ रहा था। उन्हें 30वें मिनट में एक पेनल्टी कीक भी मिली, लेकिन वह यह मौका भुना न सके। दूसरे मुकाबले में बिल्डप क्लब रायसेन के समक्ष डायमंड रॉक बालाघाट की चुनौती थी। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने छोटे-छोटो पासों के जरिए तेज गति के खेल का प्रदर्शन किया। मैच के 25वें मिनट में पीयूष थापा ने 35 गज की दूरी से शक्तीशाली प्रहार करते हुए गोल दाग दिया और रायसेन को 1-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर तक यहीं स्कोर रहा। दूसरे हॉफ में बालाघाट ने पलटवार करते हुए वापसी के कई प्रयास किए, लेकिन रायसेन के गोलकीपर दिवार की भांति डटे हुए थे और उन्होंने सभी हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरे हॉफ में रफ गति का खेल भी देखने को मिला, रैफरी की अंतिम सिटी बजने पर बाजी रायसेन के पक्ष में 1-0 से आ गई थी। मैचों के दौरान विधायक गोलू शुक्ला, पिल्लू कौशल, वरिष्ठ पत्रकार एन डी कापिस दुबे, शैलेंद्र, रमेश गुप्ता, कमल ललवानी, धर्मेंद्र खंडेलवाल व उमेश तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, भारत मथुरावाला, केके गोयल, विष्णु बिंदल, महेश दलोद्रा, जितेंद्र गर्ग, अरविंद तिवारी उपस्थित थे।

बीएनपी परिबास ओपन टेनिस

इंडियन वेल्स में रुस के डेनिल मेदवदेव बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलते हुए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जिताऊ पारी के बाद कोहली बोले- इस पिच पर साझेदारी बनाना सबसे अहम था

दुबई

भारतीय टीम ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को सेमीफाइनल में विराट कोहली की संयमित पारी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराते हुए 265 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया। कोहली ने 98 गेंदों पर 84 रनों की अहम पारी खेली और टीम को जीत की ओर ले गए। मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए कोहली ने कहा, ऐसे खेल में दबाव बनाना सबसे अहम होता है, खासकर सेमीफाइनल और फाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में। अगर आप अंत तक डटे रहते हैं और विकेट हाथ में होते हैं, तो विपक्षी टीम पर दबाव बढ़ता जाता है और खेल आसान हो जाता है। भारत को 30 रन पर पहला झटका लगा, जिसके बाद कोहली क्रीज पर आए। उन्होंने पहले श्रेयस अय्यर (91 रन की

साझेदारी), फिर अक्षर पटेल (44 रन की साझेदारी) और अंत में केएल राहुल (47 रन की साझेदारी) के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। हार्दिक पांड्या और राहुल ने मिलकर जीत की औपचारिकता पूरी की। कोहली ने अपनी पारी के दौरान सिर्फ पांच चौके लगाए और कोई छक्का नहीं मारा। उनकी 84 रनों की पारी में 56 रन सिंगल्स से आए। उन्होंने कहा कि पिच की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह रणनीति अपनाई। कोहली ने कहायह हालात पाकिस्तान के खिलाफ मैच की तरह ही थे। उस दिन भी मैंने अपनी पारी में सिर्फ सात चौके लगाए थे। मेरे लिए जरूरी था कि मैं परिस्थिति को समझूं और स्ट्राइक रोटेट करूं, क्योंकि इस पिच पर साझेदारी सबसे अहम थी। मेरा एकमात्र उद्देश्य टीम के लिए उपयोगी साझेदारियां बनाना था।, कोहली पूरे मैच के दौरान संयमित नजर आए और उन्होंने 43वें ओवर तक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश नहीं की। लेकिन जब उन्होंने एडम जंपा की गूगली पर छक्का लगाने की कोशिश की, तो वह लॉन्ग ऑन पर कैच आउट हो गए। मैंने क्रीज पर खुद को शांत रखा और सिंगल्स लेते हुए अपनी पारी को आगे बढ़ाया। जब एक बल्लेबाज सिंगल लेने पर गर्व महसूस करने लगता है, तो वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा होता है और लंबी साझेदारी बनाने की ओर बढ़ता है, कोहली ने कहा। अब भारत को फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी का इंतजार है। दूसरा सेमीफाइनल बुधवार को लाहौर में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा।

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना और बेनफिका के बीच रोमांचक मुकाबले की तैयारी

मैड्रिड

स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना बुधवार को चैंपियंस लीग के अंतिम-16 के पहले चरण के मुकाबले के लिए लिस्बन में पुर्तगाली क्लब बेनफिका का सामना करेगा।

यह मैच ग्रुप चरण में हुई रोमांचक भिड़ंत के दो महीने बाद खेला जा रहा है, जिसमें बार्सिलोना ने शानदार वापसी करते हुए 5-4 से जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में बार्सिलोना 3-1 और 4-2 से पीछे था, लेकिन अंतिम पलों में राफिन्हा के गोल ने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी।

बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक की टीम जनवरी के अंत से जबरदस्त फॉर्म में है और वर्तमान में स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है। टीम के पास एटलेटिको मैड्रिड पर एक अंक और रियल मैड्रिड पर तीन

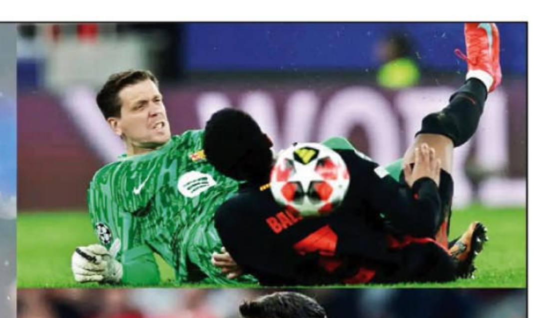

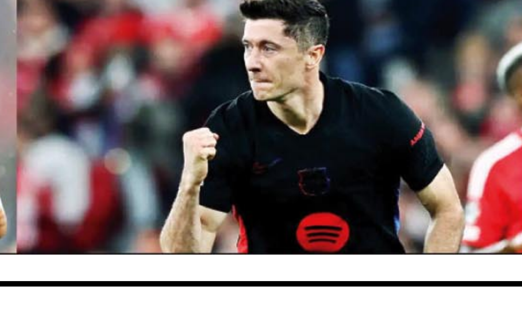

अंकों की बढ़त है।

रविवार को बार्सिलोना ने रियल सोसिएदाद को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में 17वें मिनट में विपक्षी डिफेंडर एरिट्ज़ इलुस्टोंडो के रेड कार्ड के बाद बार्सिलोना ने आसानी से जीत हासिल की। इस दौरान फ्लिक ने पाउ कुबर्सी, पेड्री, राफिन्हा, डैनी ओल्मो और रोनाल्ड अराउजो को आराम दिया, जबकि डिफेंडर इनिगो मार्टिनेज पूरे मैच में बेंच पर रहे। बुधवार के मुकाबले में पेड्री, राफिन्हा और डैनी ओल्मो की वापसी तय मानी जा रही है, जबकि फ्रेंकी डी जोंग के मिडफील्ड में मार्क कासाडो की जगह खेलने की संभावना है। बेनफिका के कोच ब्रूनो लैगे को कई खिलाड़ियों की चोटों की समस्या से जूझना पड़ रहा है। अलेक्जेंडर बाह, रेनेटो सांचेस, मनु सिल्वा और टियागो गोविया इस मुकाबले से बाहर हैं। इसके अलावा, अनुभवी विंगर एंजेल डि मारिया भी मांसपेशियों की चोट के कारण बाहर हो सकते हैं। डि मारिया की गैरमौजूदगी बेनफिका के लिए एक बड़ा झटका होगी, क्योंकि उनकी तकनीकी क्षमता बार्सिलोना की हाई-प्रेसिंग और ऑफसाइड ट्रैप को भेदने में मदद कर सकती थी। हालांकि पिछली बार की तरह इस मैच में दोनों टीमों से आक्रामक खेल की उम्मीद नहीं की जा रही है, लेकिन बेनफिका ने यह साबित किया है कि वह बार्सिलोना के खिलाफ गोल कर सकती है। वहीं, फ्लिक ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी रणनीति में कोई बदलाव नहीं करेंगे। बार्सिलोना और बेनफिका के बीच यह मुकाबला फुटबॉल प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

यहां होती है चमगादडों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई (रामपुर रत्नाकर) गांव में चमगादडों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। सरसई पंचायत के सरपंच और प्रदेश सरपंच संघ के अध्यक्ष आईएएनएस को बताते हैं कि गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं।

बीमारियों का खतरा कम करता है अखरोट

अखरोट में जितनी कैलोरी होने की बात कही है, असल में, अखरोट में उससे 21 फीसदी कम कैलोरी होती हैं। अखरोट खाने के कई फायदों को भी बता सकते हैं जिनमें कैंसर, हृदय और कुछ अन्य बीमारियों के खतरे को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से लोगों की कैलोरी संबंधित चिंताओं को कम करने में मदद मिल सकती है और वे अपनी रोज की खुराक में इसे शामिल कर सकते हैं।

प्राकृतिक गुणों से भरपूर अनानास

अनानास सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, फाइबर तथा विटामिन सी भरपूर मात्रा पाया जाता है और फैट बहुत कम होता है। गर्भावस्था में होने वाली मॉर्निंग सिकनेस की समस्या को कम करने में अनानास आपकी मदद कर सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए खाली पेट अनानास को सेवन करना चाहिए। इसमें ब्रोमिलेन नामक तत्व सर्दी, खांसी, सूजन, गले में खराश और गठिया में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

अनानास के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इससे किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा कम हो जाता है।

हड्डियां को बनाए मजबूत

इसमें मैग्नीशियम बहुत प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत और शरीर में एनर्जी को बनाएं रखने में मदद करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

हर रोज अनानास खाने से बढ़ती उम्र के साथ कम होती आंखों की रोशनी का खतरा कम हो जाता है।

दिल की बीमारियों से बचाव

यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। जिससे दिल की बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है।

कैंसर की रोकथाम

इसका एंटीऑक्सीडेंट आपको हृदय रोग, गठिया, विभिन्न तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

कैविटी से रखे दूर

यह मुंह के किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। जिससे दांतों में कैविटी की समस्या नहीं होती है।

उच्च रक्तचाप

अगर आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो अनानास आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैं। इसमें पोटेशियम की उच्च मात्रा और सोडियम की कम मात्रा रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती हैं।

ठंडी-ठंडी चिकित्सा पद्धति है क्रायोथेरेपी

क्रायोथेरेपी चिकित्सा की ऐसी पद्धति है जिसमें बर्फ के टुकड़े या ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द का उपचार किया जाता है। इसका प्रयोग सबसे अधिक स्पोर्ट्स गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट के उपचार के लिए किया जाता है।

इसके अलावा क्रायोथेरेपी का प्रयोग प्रोस्टेट कैंसर और अनियंत्रित कोशिकाओं पर नियंत्रण पाने के लिए भी किया जाता है। क्रायोथेरेपी से शरीर के उस स्थान के बढ़े हुए तापमान को कम करता है, रक्त संचार की गति को बढ़ाता है, यह तंत्रिकाओं के वेग को भी कम कर देता है जिसके कारण दर्द को काबू में आ जाता है। इस लेख में विस्तार से जानिए इसका प्रयोग कैसे होता है और इसके विभिन्न तरीके क्या-क्या हैं।

कब प्रयोग करें

- चोट के कारण होने वाले वाले तेज दर्द को कम करने के लिए
- सूजन को कम करने के लिए
- शरीर के कोमल (tenderness) क्षेत्रों के उपचार के लिए
- मांसपेशियों में खिंचाव या ऐंठन होने पर
- कुछ भड़काऊ स्थितियों (bursitis, tenosynovitis, tendinitis) में।
- अधिक दबाव के कारण होने वाले दर्द में
- डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने पर

कब प्रयोग न करें

- खुले घावों में इसका प्रयोग न करें
- उच्च रक्तचाप होने पर
- हृदय रोगों में
- त्वचा संक्रमण होने पर
- सनसनी होने पर
- शीत पित्ती (Cold Urticaria) में।

कोल्ड पैक्स

इस तरह का उपचार बर्फ के टुकड़े को तौलिये में या फिर आइस पैकेट में रखकर किया जाता है। यह शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द या फिर ऐंठन की समस्या को दूर करता है।

कोल्ड व्हर्लपूल मेथॉड

क्रायोथेरेपी से उपचार के इस तरीके में किसी टब में पानी भरकर उसे ठंडा कर दिया जाता है, फिर शरीर के जिस हिस्से का उपचार होना होता है उसे टब में डालकर शरीर के हिस्से को हिलाया जाता है। पैरों की समस्याओं के उपचार के लिए यह तरीका अधिक प्रयोग किया जाता है।

आइस इमर्सन

इस तरीके का प्रयोग एथलीटों या फिर स्पोर्ट्स गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों के लिए किया जाता है। इस तकनीक में पूरे टब में बर्फ के टुकड़े डाले जाते हैं उसके बाद मरीज को उस टब में घुसाया जाता है।

क्रायोथेरेपी यानी आइस थेरेपी दर्द की समस्या से निजात दिलाने वाला बहुत ही सामान्य और अच्छा तरीका है जिसका प्रयोग हर कोई आसानी से कर सकता है।

आइस मसाज

इस तरीके में बर्फ के टुकड़े को सीधे तौर पर चोट वाली जगह पर लगाया जाता है। दर्द को दूर करने के लिए यह बहुत ही सामान्य और असरदार तरीका है।

कीटनाशकों के प्रयोग से फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस एक प्रकार का कीड़ा होता है जिसका वायरस यदि शरीर में प्रवेश कर जाएं तो उल्टियां होती हैं। हालांकि यह किसी भी मौसम में हो सकता है। इस संक्रामक वायरस के कारण गंभीर उल्टी और दस्त की समस्या होती है। कुछ अध्ययनो से पता चला है कि ये वायरस कीटनाशकों की वजह से फैल सकता है, तो चलिये जानें कि

नोरोवायरस क्या है, इसके जोखिम क्या हैं और यह किस प्रकार फैल सकता है। यह वायरस बेहद तेजी से फैलता है और इससे संक्रमित होने पर फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं जिनमें पेट दर्द तथा उल्टी भी शामिल होते हैं।

कैसे फैलता है नोरोवायरस

किसानों द्वारा कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए प्रयोग किए जाने वाला गंदा पानी नोरोवायरस फैला सकता है। दरअसल किसान कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए कुओं, सिंचाई होदियों, नदियों, और झीलों जैसे स्रोतों से पानी लेते हैं। और इन सभी पानी के स्रोतों में नोरोवायरस भरे होते हैं।

भोजन के माध्यम से भी फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस अपके भोजन के माध्यम से भी फैल सकता है। नोरोवायरस रेस्तरां में बनाए गए और डिब्बे बंद खाद्य पदाथों में हो सकता है। क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कई सारी अलग-अलग सामग्री होती हैं, नोरोवायरस किस खाद्य पदार्थ से शरीर में गया है, पता लगाना मुश्किल होता है। कई प्रकार के तैयार खाने व खाद्य पदार्थों जैसे, सलाद, सैंडविच, बर्फ, कुकीज, और फल भी इसके लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। यदि खाने के बाद उल्टी या दस्त की समस्या हो तो यह नोरोवायरस संक्रमण के कारण भी हो सकता है। ज़रूरी नहीं कि इस संक्रमण के लक्षण तुरंत दिखाई दें, हो सकता है कि कुछ दिनों बाद आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो।

ध्यान रहे कि भोजन को गर्म करना इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। नोरोवायरस 140 डिग्री फेरनहाइट तक ताप पर जीवित रह सकते हैं। यह वायरस ठंड से जमाने पर भी जीवित रह सकता है।

टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी पानी की बोतल!

एक पानी की बोटल को बार-बार इस्तेमाल न करें। ये आपकी टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी हो सकती है और कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वैज्ञानिकों ने हालिया शोध में पाया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल लंबे समय तक बार बार करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। शोधकर्ताओं के अनुसार बोतल पर जमा होने वाले बैक्टीरिया में से करीब साठ प्रतिशत कीटाणुं ऐसे होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसके चलते डायरिया, फूड प्वाइजनिंग, नॉजिया और उल्टी जैसी समस्याएं आमतौर पर होने का खतरा रहता है। शोध में इस्तेमाल की गई ऐसी बोतलों का लैब में परीक्षण किया गया। चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पाया गया कि उसके एक सेंटीमीटर के एरिया में करीब नब्बे हजार कीटाणु थे, जो एक टॉयलेट सीट पर इतने क्षेत्र में मौजूद कीटाणुओं से कहीं ज्यादा है। बोतल के मुंह पर सबसे ज्यादा कीटाणु पाए गए। वहीं स्ट्रॉ के ऊपरी हिस्से पर भी उतने ही बैक्टीरिया मिले। बोतल धोने से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। धोने के बावजूद बैक्टीरिया थोड़ी देर के लिए ही खत्म होते हैं, फिर पनप जाते हैं। तो आपको समझ में आ गया होगा कि जिस पानी की बोटल का आप बार-बार पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वह आपके लिए किस हद तक खतरनाक साबित हो सकती है।

इन नुस्खों से मिलेगी दो मुंहे बालों से मुक्ति

वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं पार्लर में न करें पैसा बर्बाद वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं। बालों का दुमुहां होना आम समस्या है। महिलाएं अक्सर पार्लर में पैसा खर्च करके अपने बाल कटवाती हैं। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर इन दोमुहें बालों से मुक्ति पा सकते हैं।

पपीता और दही: पपीते और दही का घरेलु पैक लगाएं। 150 ग्राम पपीता और आधा कप दही मिलाएं और बालों में लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें।

अंडे का मास्क: अंडे का पीला भाग, तीन टेबल स्पून ऑलिव ऑयल और एक टेबल स्पून शहद मिलाएं। पैक को बालों में 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर शैंपू से धो लें।

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट: दो मुहें बालों के लिए हॉट ऑयल ट्रीटमेंट भी काफी अच्छा है। यह काफी असरदार माना जाता है।

शहद के साथ दही: यह एक नेचुरल कंडीशनर है। इसके और अच्छा रिजल्ट पाने के लिए दही भी मिला दें। एक कप दही में एक टेबल स्पून शहद मिलाएं और उसे जड़ों पर लगाते हुए सिरों तक लगाएं। उसके बाद इस पैक को धो लें।

सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं लोग

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वत: ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं नि:स्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कई रोगों पर भी पड़ता है असर...

यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नए शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का कई रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्राय: 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

रेसिपी

ब्रेड कटलेट

सामग्री

4 ब्रैड स्लाइस,1 आलू(उबला हुआ), आधा कप मटर(उबले हुए),1 गाजर(कद्दूकस की हुई),1 कप गोभी(कद्दूकस की हुई), 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्स, 1 प्याज (बारीक कटा),1 हरी मिर्च(कटी हुई),आधा चम्मच अदरक(कसा हुआ),गरम मसाला,1 छोटा चम्मच नींबू का रस, तेल, नमक स्वादानुसार,पानी,3-4 पनीर(टुकडों में कटा)

विधि

एक कड़ाही में तेल डालकर इसमें प्याज,अदरक और हरी मिर्च डालकर इसे हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें गाजर,मटर और गोभी डालें। अब इसमें गर्म मसाला डालकर मिक्स करके 1-2 मिनट के लिए भूनें और गैस बंद कर दें। ब्रेड को पानी में भिगोकर निचोड लें और इसे पकी हुई सब्जियों में डाल लें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें आलू,ब्रेड क्रम्स,नींबू का रस और नमक डाल कर मिलाएं। इस मिश्रण को टिकी का आकार दें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्स डालकर कटलेट को इसमें लपेट कर एक अलग प्लेट में रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में तेल डालकर इसमें कटलेट को फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन होने तक इसे तले। इन सबको प्लेट में निकाल कर ऊपर से पनीर के साथ गार्निश करके सॉस के साथ सर्व करें।

पास्ता बटर मसाला

सामग्री

1 कप पास्ता, 1 बड़ा चम्मच लहसुन(पिसा हुआ), आधा चम्मच अदरक(पिसा हुआ),1 टमाटर(कटा हुआ),2 प्याज(कटे हुए),1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर,1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, आधा छोटा चम्मच कसूरी मेथी,2 कप दूध, 2 बड़ा चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच हरा धनिया(कटा हुआ), स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में थोडा सा नमक मिलाकर इसमें 2-3 बूंद तेल,पास्ता और पानी मिलाकर उबालें। जब पास्ता पक जाए तो इसे पानी से निकाल कर रख दें। अब एक पैन में तेल डालकर इसमें प्याज, टमाटर, अदरक और लहसुन डालकर भूनें और थोडा ठंडा होने पर मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करके इलमें पीसा हुआ पेस्ट और नमक डालकर तेल छोड़ने तक भूनें और इसमें लाल मिर्च,गरम मसाला और जीरा डालकर गाढ़ा हाने तक पकाएं। इसके बाद इसमें दूध डाल दें। जब दूध और मसाले अच्छी तरह उबलकर सॉस बन जाए तो इसमें कसूरी मेथी और उबला हुआ पास्ता डालकर मिलाएं। गैस बंद करके गर्मागर्म पास्ते पर हरा धनिया डालकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**